राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 15, अंक 73 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये दुर्ग, बुधवार 21 जनवरी 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

अग्रिम जमानत खारिज होने के बावजूद आरोपी की गिरफ्तारी नहीं, पीड़िता ने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली की एक सत्र अदालत द्वारा बलात्कार के एक मामले में आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बावजूद अब तक उसकी गिरफ्तारी न होने पर पीड़िता ने दिल्ली पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। मंगलवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीड़िता और उनके अधिवक्ताओं ने कहा कि आरोपी की गिरफ्तारी में हो रही देरी जांच की विश्वसनीयता, गति और निष्पक्षता को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करती है। पीड़िता के साथ उनके कानूनी प्रतिनिधियों–असग़र खान एंड एसोसिएट्स और ब्लैकथॉर्न चैंबर्स–ने संबोधित किया। इस दौरान शिकायतकर्ता की ओर से अधिवक्ता असग़र खान, नजमी खान, अब्दुल ताहिर खान, सहर मसरूर और मोहद. वासिल खान व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहे। यह मामला एफआईआर संख्या 300/2025 से संबंधित है, जो वसंत विहार थाना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की प्रासंगिक धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। एफआईआर में शरत वोहरा को आरोपी नामित किया गया है। आरोपों में विवाह के झूठे वादे पर बलात्कार, यौन शोषण और आपराधिक धमकी शामिल हैं। कानून के प्रावधानों के अनुरूप पीड़िता की पहचान गोपनीय रखी गई है। पीड़िता के अधिवक्ताओं ने बताया कि 14 जनवरी, 2026 को नई दिल्ली की सत्र अदालत ने आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने यह आदेश न्यायाधीश सौरभ प्रताप सिंह लालेर की अध्यक्षता में पारित किया, जिसमें रिकॉर्ड पर उपलब्ध सामग्री का विस्तार से अवलोकन किया गया। पीड़िता ने यह आशंका भी जताई है कि गिरफ्तारी में लगातार हो रही देरी से आरोपी के फरार होने, गवाहों को प्रभावित करने या सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका बढ़ रही है।

आधिकारिक मुहर 27 जनवरी को लगने की उम्मीद

'मदर ऑफ़ऑल डील्स' की दहलीज पर भारत; 27 जनवरी को ऐतिहासिक समझौते के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक व्यापार में अनिश्चितताओं के बीच भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) एक 'ऐतिहासिक व्यापार समझौते' के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच के दौरान संकेत दिया कि दोनों पक्ष इस बहुप्रतीक्षित समझौते को अंतिम रूप देने के लिए तैयार हैं। इसे कुछ हलकों में मदर ऑफ़ऑल डील्स कहा जा रहा है, जो दुनिया के सबसे बड़े मुक्त व्यापार क्षेत्रों में से एक का निर्माण करेगा।

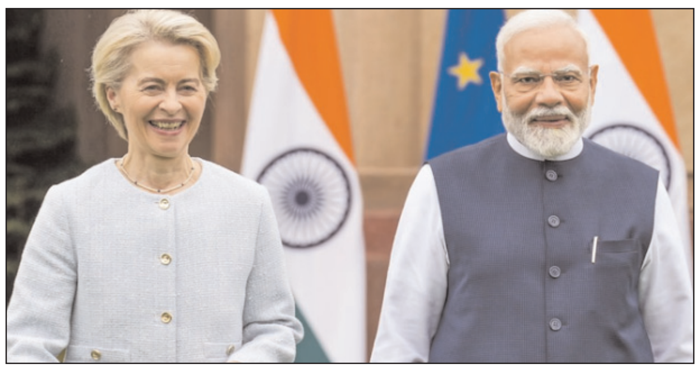

उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने अपने संबोधन में साफकिया कि यह समझौता महज एक कागजी कार्रवाई नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक गेम-चेंजर साबित होगा। इस दौरान विश्व आर्थिक मंच के अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे ने कहा, भारत और यूरोप के बीच अब तक का सबसे बड़ा समझौता बस होने ही वाला है।

विशाल दायरा: इस समझौते से दो अरब लोगों का एक साझा बाजार तैयार होगा।

आर्थिक ताकत: यह संयुक्त बाजार वैश्विक जीडीपी के लगभग एक चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करेगा।

यूरोप का फोकस: वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोप आज के 'ग्रोथ सेंटर्स' और इस सदी के आर्थिक पावरहाउस यानी भारत के साथ कारोबार करना चाहता है। उन्होंने इसे दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते और गतिशील महाद्वीपों में से एक के साथ जुड़ने के लिए यूरोप का 'फर्स्ट-मूवर एडवांटेज' बताया।

माना जा रहा है कि सरकार एफ्टीए पर गणतंत्र दिवस के दौरान बड़ी घोषणा की तैयारी कर रही है। इस पर आधिकारिक मुहर 27 जनवरी को लगने की उम्मीद है।

विशेष दौरा: यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और उर्सुला वॉन डेर लेयेन 25 से 27 जनवरी तक भारत दौरे पर रहेंगे। वे गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

समिट वार्ता: 27 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ होने वाली शिखर वार्ता में इस एफ्टीए (स्नञ्ज) के संपन्न होने की घोषणा की जा सकती है।

व्यापार के अलावा, इस समिट में रक्षा और सुरक्षा पर भी बड़ा फोकस रहेगा। भारत और ईयू एक 'सुरक्षा और रक्षा साझेदारी' (एसडीपी) का अनावरण कर सकते हैं।इसमें ये चीजें शामिल होंगीं।-

फंडिंग तक पहुंच: प्रस्तावित एसडीपी के तहत भारतीय कंपनियों के लिए श्व के 'एसएएफई' कार्यक्रम में भाग लेने के रास्ते खुलेंगे। एसएएफई यूरो 150 बिलियन का एक वित्तीय साधन है, जो रक्षा तैयारी को तेज करने के लिए बनाया गया है।

ज़्एसओआईए समझौता: दोनों पक्ष औद्योगिक रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए 'सूचना सुरक्षा समझौते' के लिए बातचीत शुरू करेंगे।

अमेरिका की टैरिफ नीतियों का असर यह समझौता ऐसे समय में हो रहा है जब वाशिंगटन (अमेरिका) की टैरिफनीतियों और व्यापारिक व्यवधानों को लेकर वैश्विक चिंताएं बढ़ रही हैं। विशेषज्ञ इसे बदलती भू-राजनीति के बीच भारत और ईयू की रणनीतिक गोलबंदी के रूप में देख रहे हैं। गौरतलब है कि ईयू वित्त वर्ष 2023-24 में 135 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है।

सीएम ममता के फोर्ट विलियम अफसर बयान पर सेना ने की राज्यपाल से शिकायत

कोलकाता (एजेंसी)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के फोर्ट विलियम के एक वरिष्ठ सेना अधिकारी पर दिए गए बयान के बाद सियासी विवाद चरम पर पहुंच गया है। सीएम ममता ने हाल ही में कहा कि अधिकारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास के दौरान भाजपा के समर्थन में काम कर रहे हैं और फोर्ट विलियम का कमांड बेस राजनीतिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में सीएम के उक्त आरोप के बाद विभिन्न हलकों में तमाम तरह के कयासों का दौर चल रहा है। वहीं भारतीय सेना की ईस्टर्न कमांड ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंदा बोस से हस्तक्षेप की अपील की। जानकारी के अनुसार, दो सेना जनरलों ने पिछले सप्ताह राज्यपाल से मुलाकात कर ममता के आरोपों के खिलाफ अपनी आपत्ति दर्ज कराई। लोक भवन के अधिकारियों ने बताया कि राज्यपाल ने इस मामले को गंभीरता से लिया और इसे केंद्र सरकार के संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाया। मामले पर राज्यपाल बोस ने कहा पहले मैं खुद मामले पर सत्यापन करूंगा कि क्या मुख्यमंत्री ने कोई संवैधानिक नियमों का उल्लंघन किया है।

साहित्य उत्सव से छत्तीसगढ़ को मिलेगी नई पहचान

आलेख - छगन लोन्हारे

उप संचालक (जनसंपर्क विभाग)

रायपुर(समय दर्शन)। बसंत पंचमी 23 जनवरी से नवा रायपुर के पुरखौती मुक्तांगन परिसर में तीन दिवसीय रायपुर साहित्य उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश भर के 100 से अधिक प्रतिष्ठित साहित्यकार शामिल होने जा रहे हैं। इस तीन दिवसीय उत्सव से छत्तीसगढ़ को एक नई पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का कहना है कि छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर पूरा प्रदेश रजत महोत्सव मना रहा है। रायपुर साहित्य उत्सव उसी श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। यह उत्सव न केवल छत्तीसगढ़ को बल्कि पूरे देश के सुप्रसिद्ध साहित्यकारों को एक साझा मंच प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ को साहित्यिक जगत में एक नई पहचान प्रदान करेगा तथा जनसमुदाय को साहित्य, लेखन और पठन-पाठन की ओर प्रेरित करेगा। साहित्य महोत्सव के दौरान साहित्य विमर्श खुले संवाद, समकालीन विषयों पर विचार-विमर्श होगा। साहित्य महोत्सव को लेकर आम-लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आज जब सोशल मीडिया के कोलाहल में ज्ञान की धारा अक्सर सूचनाओं के शोर में दब जाती है। ऐसे समय में साहित्य उत्सव एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। जहां विचार-विमर्श के बीच संवाद की संस्कृति जीवित रहती है। सृजन वही जन्म लेता है, जहां मन खुला हो और कथा वही आकार लेती हैं जहां मनुष्य अपने सत्य से संवाद करने का साहस रखता है। साहित्य महोत्सव के लोगो (डिजाइन) में अंकित "आदि से अनादि" तक वाक्य साहित्य के उस अटूट यात्रा को दर्शाता है, जिसमें आदिकालीन रचनाओं से लेकर निरंतर विकसित हो रहे आधुनिक साहित्य तक सभी रूप समाहित हैं।

खबर-खास

महिलाओं ने संभाली गांव की सफाई का कमान, हर माह करते है गलियों की सफाई, सरपंच ने की सराहना

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत अचानकपुर में महिलाओं ने गांव की गलियों चौक चौराहों की सफाई का जिम्मा उठा लिया है। पिछले लगभग 1 साल से प्रति माह गांव के सार्वजनिक स्थलों की सफाई करते हैं। यह सफाई कार्य स्व सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं के द्वारा श्रमदान के रूप में किया जाता है। बता दे की ग्राम के सरपंच देवानंद साहू ने महिला समूह के इस कार्य की सराहना भी की है गांव के स्वच्छता के लिए यह कार्य काफी अनुकरणीय है। उन्होंने अपील भी किया है कि सभी नागरिक अपने घरों एवं घर के आसपास की साफसफाई व्यवस्था बनाए रखें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिला सफाई के प्रति काफी सजग है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्व सहायता समूह की महिलाएं मौजूद रही।

22 को बेलतरा में मंड़ई मेला का कार्यक्रम

साजा (समय दर्शन)। ठेलका समीपस्थ ग्राम बेलतरा में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री अखण्ड नवधा रामायण समारोह का आयोजन रखा गया है। आयोजन का शुभारंभ 17 जनवरी से है और समापन 21 जनवरी को है। आयोजन कुल पांच दिन तक चलेंगे। आयोजन में समस्त धर्मप्रेमी जनों को आमंत्रित किया गया है। समिति अध्यक्ष, कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी बेलतरा तैयारी को लेकर जुटे हुए हैं। अध्यक्ष भुखन लाल साहू, सचिव सुंदर साहू,तोपसिंग साहू व संचालक गोवर्धन साहू, डॉ नारदराम साहू है। 22 जनवरी गुरुवार को नवधा समापन दिवस के अगले दिन ग्राम में मंड़ई मेला का कार्यक्रम रखा गया है।

नगर पालिका परिषद महासमुन्द में जनप्रतिनिधियों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला सम्पन्न

बसना (समय दर्शन)। स्वास्थ्य संबंधी राष्ट्रीय कार्यक्रमों मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोतियाबिंद, मानसिक स्वास्थ्य, आयुष्मान कार्ड की दी गई जानकारी।

राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत नगर पालिका परिषद महासमुंद के जनप्रतिनिधियों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन हॉटल अकेशिया में किया गया। कार्यशाला का आयोजन नगर पालिका परिषद उपाध्यक्ष देवीचंद राठी की अध्यक्षता में किया सम्पन्न हुआ। कार्यशाला में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव, जिला नोडल अधिकारी डॉ. छत्रपाल चन्द्राकर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक नीलू घृतलहरे, शहरी कार्यक्रम प्रबंधक राहुल ठाकुर, उत्तम श्रीवास एवं एकेश्वर शुक्ला जिला सलाहकार शामिल हुए। उक्त कार्यशाला में शहरी सेक्टर सुपरवाइजर दीपक तिवारी द्वारा शहरी क्षेत्र के समस्त जन प्रतिनिधियों को स्वास्थ्य संबंधी समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोतियाबिंद, मानसिक स्वास्थ्य, आयुष्मान कार्ड, जानकारी प्रदाय की गई।

जिला को टी.बी. मुक्त करने हेतु जिला सलाहकार द्वारा विस्तृत जानकारी प्रदाय की गई एवं टी.बी. मरीजों को बेहतर पोषण प्रदाय करने के लिए जनप्रतिनिधियों को निश्चय मित्र बनने के लिए प्रेरित किया गया। शहरी स्वास्थ्य केन्द्र एवं जिला चिकित्सालय में दिए जा रहे कुष्ठ रोग संबंधी स्वास्थ्य सुविधाएं स्किन स्मियर टेस्ट, नि:शुल्क जांच, एवं एम.डी.टी. आदि की जानकारी देते हुए जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपेक्षा किया गया। जिले में संचालित तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत श्रीमति मेघा ताम्रकर काउंसर द्वारा नशा मुक्त अभियान की जानकारी प्रदाय की गई एवं लोगों को नशा मुक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, साथ ही नशा मुक्ति हेतु जनप्रतिनिधियों को शपथ दिलाया गया। कार्यक्रम में शहरी क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी जांच एवं आम नागरिकों तक उचित लाभ प्रदान किए जाने हेतु परामर्श दिया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 2.0) ने बदली दीक्षा सोनी की ज़िंदगी

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 2.0) जरूरतमंद परिवारों के लिए केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन और सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव साबित हो रही है। नगर पालिक निगम दुर्ग के वार्ड क्रमांक 56, आमा पारा, बघेरा निवासी दीक्षा सोनी की जीवन गाथा इस योजना की सफलता की सजीव मिसाल है।

साधारण आर्थिक स्थिति वाले परिवार से जुड़ी दीक्षा सोनी का जीवन वर्षों तक संघर्षों से भरा रहा। ज्वेलर्स के कार्य पर निर्भर परिवार की सीमित आय के चलते वे अपने परिवार के साथ किराये के छोटे से मकान में रहने को मजबूर थीं। हर माह किराया चुकाने की चिंता, मकान मालिक की शर्तें और अस्थायी जीवन की मजबूरी ने उनके मन में हमेशा असुरक्षा की भावना बनाए रखी।

दिल्ली में आयोजित परीक्षा पे चर्चा के नौवां संस्करण में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कु.सृष्टि साहू करेंगी

महासमुंद (समय दर्शन)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नयापारा महासमुंद में प्राचार्य श्रीमती अमि रुफस के मार्गदर्शन में , परीक्षा पे चर्चा का नौवां संस्करण के अंतर्गत कार्यक्रम के लिए रजिस्ट्रेशन स्ब त्श्1 पोर्टल पर 1 दिसंबर 2025से 11 जनवरी 2026 तक है ।

कक्षा-6 से 12 तक के विद्यार्थी शिक्षा और अभिभावक ऑनलाइन स्ब्ट्क्त आधारित प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर जो प्रतिभागी गतिविधि पूरी करेंगे, जिसमें संस्था के द्वारा शत प्रतिशत रजिस्ट्रेशन किया गया।

जिसमें संस्था की होनहार छात्रा शाला नायिका ,एक दिवस की प्राचार्य का दायित्व निभाने वाली ,होनहार छात्रा कुमारी सृष्टि साहू कक्षा- बारहवीं ,(गणित संकाय) की छात्रा चयनित हुई , जिसे महासमुंद जिला कलेक्टर श्रीमान विनय कुमार लंगेह ने उपलब्धि के लिए प्रशंसा की, तथा दिल्ली जाने

के लिए उन्होंने फ्लाइट से उनका टिकट एवं सारी व्यवस्थाएं कराई तथा कलेक्टर साहब ने इसके उद्देश्यों के बारे में कहा कि,शिक्षा मंत्रालय के पीएम मोदी का एक इंटरएक्टिव प्लेटफार्म है, जिसमें देश-विदेश के विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक, परीक्षा से जुड़े तनाव अनुभव और सकारात्मक तैयारी पर चर्चा करते हैं। तत्पश्चात डी.एम. सी. महासमुन्द रेखराज शर्मा ने छात्र को बधाई देते हुए कहा कि ,यह बहुत बड़ी उपलब्धि है, यह पांच चरणों में चलने वाला है। जिसमें पहले पीएम के साथ सेल्फी दूसरा परीक्षा का पे चर्चा का किट तीसरा प्रमाण पत्र चौथा पीएम आवास का दौरा भी हो सकता है, आत्मविश्वास से परीक्षा देने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात संस्था के प्राचार्य श्रीमती अमि रुफस एवं सृष्टि साहू को महासमुंद जिला के जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे एवं सहायक संचालक एन. के.सिंन्हा,एडीपीओ. प्रमोद कुमार कन्नौज, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बी.आर. सी. जागेश्वर सिंन्हा , तथा संस्था के वरिष्ठ व्याख्याता गोसाई राम टांडेकर, प्रियंका पीटर, अंशुमालाबाल बारिक (क्लास टीचर) ऐ पी सी. श्रीमती संपा बोस आदि उपस्थित थे।

धान उपार्जन केन्द्र केना में भौतिक सत्यापन से अधिक मात्रा में धान एवं बारदाना की कमी,शासन को 50 लाख 41 हजार 924 रुपये की क्षति

नृपनिधी पाण्डेय

सरायपाली (समय दर्शन)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान उपार्जन केन्द्र केना में अनियमितता के मामले पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सरायपाली के आदेशानुसार गठित संयुक्त जांच टीम द्वारा 18 जनवरी 2026 को केंद्र का भौतिक सत्यापन किया गया। जिसमें भारी मात्रा में धान एवं बारदाना की कमी पाई गई। जांच प्रतिवेदन के अनुसार ऑनलाइन रिपोर्ट में जहां 29,628 नग बारदाना (11,851.20 क्विंटल धान) दर्ज था, वहीं भौतिक सत्यापन में मात्र 25,615 नग बारदाना (10,246 क्विंटल) धान पाया गया। इस प्रकार 4,013 नग बारदाना (1,605.20 क्विंटल) धान की कमी सामने आई। कमी की अनुमानित राशि 49,76,120 रुपये है। उक्त कृत्य को देखते हुए कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार धान उपार्जन केन्द्र केना के प्रभारी अधिकारी गोपाल नायक के विरूद्ध एफआईआर दर्ज किया गया है। जांच प्रतिवेदन में बताया गया है कि, धान उपार्जन में प्रयुक्त नए एवं पुराने बारदाने में भी अनियमितता पाई गई। जांच में 2007 नग नया बारदाना (कीमत 15,654.60 रुपये) एवं 2006 नग पुराना बारदाना (कीमत 50,150 रुपये) का उपयोग अनियमित रूप से पाया गया। इस प्रकार कुल मिलाकर शासन को 50,41,924.60 रुपये की क्षति होना जांच में सामने आया है। संयुक्त जांच टीम द्वारा मौके पर रखे धान के स्टेकों का रेंडम तौल भी किया गया, जिसमें बोरी का वजन मानक से कम पाया गया। जांच प्रतिवेदन से सहमत होते हुए कलेक्टर को अनुशासनात्मक एवं दंडात्मक कार्रवाई की अनुशंसा भेजी गई। तत्पश्चात कार्यालय उपायुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं, जिला महासमुंद के आदेश के आधार पर शाखा प्रबंधक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित रायपुर, शाखा तोरेसिंहा द्वारा थाना प्रभारी, थाना सरायपाली को लिखित आवेदन प्रस्तुत कर धान उपार्जन केन्द्र केना के प्रभारी श्री गोपाल नायक निवासी ग्राम इच्छापुर के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज किया गया है।

थाना सिटी कोतवाली मुंगेली पुलिस ने राशन दुकान में हुये चोरी का किया पर्दाफाश

मुंगेली(समय दर्शन)। मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) के निर्देशन पर थाना मुंगेली पुलिस ने राशन दुकान में हुये चोरी का किया पर्दाफाश थाना सिटी कोतवाली मुंगेली क्षेत्रान्तर्गत ग्राम चमारी (टिंगीपुर) राशन दुकान में चोरी करने वाले 04 आरोपी को न्यायिक रिमाण्ड पर एवं 01 विधि से संघर्षरत बालक को बाल संरक्षण गृह भेजा गया।आरोपियों से 22 क्विंटल चांवल कीमती 52,800 रूपये एवं 01 ऑटो की 01 लाख रूपये कुल कीमती 1,52,800 रूपये को किया गया जप्त आरोपियों के विरूद्ध थाना सिटी कोतवाली मुंगेली में अपराध क्रमांक 31/26 धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत् आरोपी के विरूद्ध की गयी कार्यवाहीजिला मुंगेली के सभी थाना/चौकी क्षेत्रांतर्गत चोरी एवं

संपत्ति संबंधी अपराध घटित होने पर मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) के द्वारा अज्ञात चोर एवं चोरी संपत्ती की पता तलाश कर बरामद करने हेतु थाना/चौकी प्रभारियों एवं साइबर सेल मुंगेली को निर्देश दिया गया है। दिनांक 18.01.2026 के प्रार्थी परमेश्वर साहू पिता स्व. कलीराम साहू उम्र 45 वर्ष निवासी टिंगीपुर (चमारी) थाना सिटी कोतवाली मुंगेली जिला मुंगेली के द्वारा थाना उपस्थित आकर लिखित आवेदन पत्र पर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 30.12.2025 को शासकीय उचित मूल्य की दुकान चमारी (टिंगीपुर) में राशन वितरण करने के उपरांत सोसायटी को बंद किये थे। दिनांक 17.01.2026 के करीब 12:00 बजे दिन में पंच अनमोल दास मानिकपुरी एवं शिवकुमार साहू (सरपंच) के द्वारा बताया गया कि शासकीय उचित मूल्य की दुकान चमारी गोदाम में अज्ञात चोर द्वारा सोसायटी का ताला तोडकर चोरी किया गया है, तब प्रार्थी परमेश्वर साहू सोसायटी में जाकर देखा और चांवल की बोरियों को गिनती किये तब पता चला कि 56 बोरी चावल वजन कुल 28 क्विंटल किमती 70,000/- रूपये एवं 05 बोरी शक्कर वजन 250 किलो ग्राम किमती 4250/- रूपये कुल किमती 74,250/- रूपये को अज्ञात चोर द्वारा शासकीय उचित मूल्य की दुकान चमारी गोदाम के ताला तोड़कर गोदाम अंदर घुसकर चोरी करने कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली मुंगेली में अपराध क्रमांक 31/2026 धारा 331(4), 305 बीएनएस पंजीबद्ध कर माल मुल्जिम की पता तलाश हेतु विवेचना में लिया गया है।

महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

छात्राओं एवं अध्यापिकाओं को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से बचने दी गई कानूनी जानकारी

महासमुन्द (समय दर्शन)। महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 के प्रावधानों के विषय में जिले में 19 जनवरी को महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य महाविद्यालय मचेवा एवं शासकीय माता कर्मा कन्या महाविद्यालय मचेवा में आयोजित हुआ। जिसमें क्रमश: प्रभारी प्राचार्य डॉ मालती तिवारी एवं प्राचार्य डॉ शीलभद्र कुमार उपस्थित थे।

कार्यक्रम में स्ध्द्र-क्ष्भ× पोर्टल एवं महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 के संबंध में जानकारी दी गई। जिसमें बताया गया कि महिलाओं को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से बचने के लिए 9 दिसंबर 2013 को कानून लागू किया गया है जिसका उद्देश्य यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध एवं निवारण करना है, कानून के अनुसार जहां 10 से अधिक कर्मचारी कार्य करते है वहां आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाना है और जहां 10 से कम कर्मचारी कार्य कर रहे है वहां स्थानीय शिकायत समिति के अंतर्गत होंगे, जिसमें पीड़िता को राहत व मुआवजा का प्रावधान किया गया है, यह अधिनियम संगठित और असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले महिलाओ के ऊपर कार्य स्थलों में यौन उत्पीड़न को रोकथाम करना है, उक्त अधिनियम के अंतर्गत पीड़िताएं अपने ऊपर घटित घटना का शिकायत 3 माह के भीतर समिति के समक्ष कर सकते है, घटना के संबंध में समिति के द्वारा जांच की जाएगी। दोषी पाए जाने पर दोषी व्यक्ति को समिति द्वारा लागू सेवा नियमों के उपबंधों के अनुसार कदाचार के रूप में या जहां ऐसे सेवा नियम नहीं बनाए गए है वहां ऐसे रीति से जो विहित की जाये लैंगिक उत्पीड़न के लिए कार्यवाही करने जिसके अंतर्गत दोषी व्यक्ति के वेतन या मजदूरी की कटौती कर पीड़िता को दे सकते है। समिति द्वारा दोषी व्यक्ति के विरुद्ध कार्यवाही करने के लिए थाना को अनुशंसा के साथ भेज सकता है साथ ही न्यायालय में परिवाद भी दायर कर सकता है कि जानकारी दी गई। अधिनियम में स्पष्ट प्रावधान है कि जहां संगठित या असंगठित कार्य क्षेत्रों पर जहां 10 से अधिक कर्मचारी है वहां आंतरिक शिकायत समिति गठन किया जाना अनिवार्य है यदि समिति का गठन नहीं किया जाता तो नियोजक को पचास हजार रूपए तक की अर्थदंड से दंडित करने का प्रावधान है। कार्यक्रम में सुश्री पूनम केसरिया संरक्षण अधिकारी (घरेलू हिंसा), सुश्री झलक साहू केंद्र प्रशासक सखी वन स्टॉप सेंटर, सुश्री खिलेश्वरी चक्रधारी मिशन समन्वयक महिला सशक्तिकरण केंद्र, श्रीमती जागेश्वरी सोनवानी चाइल्ड लाइन मिशन वात्सल्य का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में कॉलेज के समस्त स्टाफएवं छात्र छात्राएं अधिक संख्या में उपस्थित रहे। इस दौरान अधिनियम की प्रावधानों के जानकारी प्रदाय कर फ्लेक्स, ब्रोशर एवं पम्पलेट का वितरण किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना की लाटरी 30 को

भिलाईनगर। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) भारत सरकार का एक प्रमुख मिशन है, जिसका क्रियान्वयन आवासन और शहर कार्य मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। इस मिशन के तहत झुग्गी-झोपड़ी वासियों को पक्का घर उपलब्ध कराना है। योजना से निर्मित घरो में पानी, बिजली, शौचालय, रसोई जैसी बुनियादी सुविधाएं शामिल है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार दिनांक 30.01.2026 को समय 12:30 बजे निगम मुख्य कार्यालय सभागार कक्ष में आवास आबंटन की लाटरी आयोजित है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) एएचपी किफायती आवास मोर मकान-मोर आस एवं मोर मकान-मोर चिन्हारी घटक के विभिन्न परियोजना स्थलों में निर्मित आवासों का आबंटन किया जाना है।

सक्षम स्वीकृति प्राप्त कर कुल अंशदान राशि का 10 प्रतिशत राशि तथा बेदखली व्यवस्थापन हेतु हितग्राही अंशदान 75000.00 रूपये निगम कोष में जमा कराया जा रहा है। शासन के नियमानुसार लाटरी में वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजनो को प्राथमिकता के आधार पर भूतल के आवास आबंटित किया जायेगा। वहीं अन्य हितग्राहियों को भूतल के साथ-साथ अन्य तल के आवास आबंटित किया जाना है।

विज्ञान एवं गणित विषय पर जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मुंगेली(समय दर्शन)। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान, जिसे भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया है, के तहत मुंगेली विकासखंड स्त्रोत केंद्र कार्यालय में एक जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 6-18 वर्ष की आयु के बच्चों में विज्ञान, गणित और प्रौद्योगिकी के प्रति जिज्ञासा, रचनात्मकता और प्रेम को बढ़ावा देना है, ताकि बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को मजेदार और सार्थक बनाया जा सके और स्कूल के ज्ञान को वास्तविक जीवन से जोड़ा जा सके। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी एल.पी. डाहिरे, डीएमसी अशोक कश्यप, विकासखंड शिक्षा अधिकारी जितेंद्र कुमार बावरे, सहायक परियोजना अधिकारी दिनेश साहू, प्रदीप उपाध्याय, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक सूर्यकांत उपाध्याय एवं लोरमी स्त्रोत समन्वयक डीसी डाहिरे द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना का प्रस्तुतिकरण श्री रितेश पांडे ने किया और क्विज प्रतियोगिता का संचालन अमिताभ शर्मा ने किया। प्रतियोगिता में मुंगेली, लोरमी और पथरिया विकासखंड के कुल 36 विद्यार्थियों ने भाग लिया। मिडिल स्कूल स्तर पर गणित विषय में नमन कश्यप कोतरी ने प्रथम, चैतन्य कोदवाबानी ने द्वितीय और तोमेश्वरी साहू भालापुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, विज्ञान विषय में मीनाक्षी साहू शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पूछेली ने प्रथम, भगवती निषाद राज अमोरा ने द्वितीय और मानस भास्कर ढबहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।हायर सेकेंडरी स्तर पर गणित विषय में दीपचंद बैगाकापा ने प्रथम, हरीश कुमार साहू मनोहरपुर ने द्वितीय और हिमांशु टंडन गोडखाम्ही ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विज्ञान विषय में राहुल नवागांव ची ने प्रथम, श्रीश उपाध्याय सजेस दाउपारा ने द्वितीय और आरती साहू बैगाकापा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बच्चों ने दी रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति

थानखम्हरिया (समय दर्शन)। थानखम्हरिया समीपस्थ अजय कोचिंग क्लासेस चीजगांव में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्षिकोत्सव स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकारों की कार्यक्रम प्रस्तुत कर इंद्रधनुष की छटाएं बिखेरी। छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, पंथी गीत,सुवा नृत्य, विवाह गीत,जस गीत,करमा, ददरिया, शिक्षाप्रद व हास्यप्रद नाटक जैसे गीतों में कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम देखने आगंतुकों की भीड़ उमड़ पड़ी। बच्चों की मनोबल को आगुंतकों की उपस्थिति ने संबल प्रदान किया। लगभग 25-30 बच्चों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाज सेवक अविनाश पटेल ग्राम उसलापुर, सरपंच भगेला साहू , उपसरपंच सुनिल साहू, पंच अकरूल साहू,डेरहा साहू, परमिला साहू, भुवनेश्वरी साहू उपस्थित रहे। सरस्वती ज्ञान मंदिर हाईस्कूल देवरबीजा प्राचार्य पुष्पराज सेन, देवरबीजा स्टॉफ शिक्षिकाएं,शा.प्रा.शा. खैरझिटी कला शिक्षक दुर्गेश श्रीवास, शिक्षक उत्तम साहू,थोक सब्जी भंडार जलेश पटेल चुहका, डॉ पीलाराम साहू, ओंकार साहू, जगदीश साहू,रेखूराम वर्मा पलेनी, घनश्याम साहू,अघनू यादव, शिवचरण साहू,खेमू साहू, गनपत साहू,दशरू यादव, रामसहाय यादव, देवकिशन साहू, कुबेर साहू, कुलेश्वर साहू, चंद्रशेखर साहू,चिंताराम साहू, सियाराम नेताम,कुमार साहू,बलराम साहू,दुखित साहू,श्रवण साहेब,दुखुराम साहू,धनीराम साहू,दिलीप साहू, विष्णु साहू,नेतराम साहू, बृजलाल साहू,नोहरसिंग साहू,ईश्वरी साहू, कामता साहू,राजेश साहू,टेकराम साहू,रोहण साहू,नंदलाल साहू,कान्हा साहू, जागेश्वर साहू, हेमंत साहू, देवेन्द्र साहू, चंद्रशेखर साहू,धरमू साहू, श्रवण साहू बरगा,डाकवर साहू,सोनू साहू, समेत अधिक संख्या में ग्रामवासी व क्षेत्रवासी कार्यक्रम को सुशोभित करने पहुंचे। समाज सेवक अविनाश पटेल ने अजय कोचिंग क्लासेस में सत्र 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

बसना में विकास खण्ड स्तरीय शिक्षक संघ का निर्वाचन 24 को

बसना (समय दर्शन)। शास प्राथ शाला बंसूला में बसना विकास खण्ड स्तरीय शिक्षक संघ की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें संघ के पदाधिकारियों की चुनाव की अधिसूचना के बारे में शिक्षकों से चर्चा किया गया।

आगामी 24 जनवरी को शिक्षक संघ के पदाधिकारियों का चुनाव होना है। दिनांक 18 जनवरी 2026को मददाता सूची का प्रकाशन किया गया। जिसमें संघ के आगामी चुनाव हेतु सुशील कुमार सिन्हा एवं धुव कुमार बारीक को चुनाव अधिकारी बनाया गया है । बैठक के माध्यम से सभी शिक्षको से अनुरोध किया गया है कि,जिला एवं प्रदेश ईकाई से प्राप्त दिशा निर्देश के अनुसार आगामी चुनाव को देखते हुए अपनी उपस्थिति उक्त तिथि को सुनिश्चित करें।

उपरोक्त संदर्भित विषयान्तर्गत छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ संविधान के भाग-2 संघटन कंडिका 06 कार्यकारिणी के उपकंडिका (1). (2), (3), (6), (7) व (9) के अनुसार निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए विकासखंड बसना इकाई का निर्वाचन संपन्न किया जाना है।

छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के बैनर तले बसना विकासखंड शिक्षक संघ का निर्वाचन कार्यक्रम की रूपरेखा -

??मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 18.01.2026 किस्सा गया।

दावा-आपत्ति प्राप्त करने की तिथि 21.01.2026 सायं 5.00 बजे तक।

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 22.01.2026 सायं 5.00 बजे तक

अभ्यर्थियों का नामांकन 23.01.2026 सायं 5.00 बजे

(6) नाम वापसी 24.01.2026 प्रात: 9.00 से 11.00 बजे तक। अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन

24.01.2026 प्रात: 11.00 से 12.00 बजे वोटिंग (यदि आवश्यक हुआ)।24.01.2026 की दोपहर 12.30 बजे तक ,मतगणना पश्चात परिणाम की घोषणा। दोपहर 01.00 से 04.00 बजे तक किस्सा थाना सुनिश्चित किया गया है।

भाग लेने की प्रक्रिया

(1)मतदाता छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के विधिवत सदस्यता प्राप्त विकासखंड के समस्त सदस्य पात्र होंगे।

(2) अभ्यर्थी की अर्हता संघ का न्यूनतम 180 दिन पूर्व आजीवन सदस्य हो तथा उनकी सेवा अवधि न्यूनतम 3 वर्ष हो।

(3)पद संरचना-

अध्यक्ष 1, सचिव 1, कोषाध्यक्ष 1, मंत्री 1, उपाध्यक्ष 1, उप सचिव 1. उप मंत्री 1, सदस्य 4 (निर्वाचित), सदस्य 2 (मनोनित), संगठन मंत्री 1 (मनोनित), प्रचार मंत्री 1 (मनोनित) 4. नामांकन शुल्क अध्यक्ष पद हेतु रु. 2100 / सचिव व कोषाध्यक्ष पद हेतु रु. 1100 / तथा अन्य पद हेतु रु. 500/देय होगी।

2.30 करोड़ रूपए क़े विभिन्न विकास कार्यो की रखी नींव

उद्योग मंत्री देवांगन ने दर्री क्षेत्र क़े 5 शासकीय स्कूलों को नवीन भवन की दी सौगात

रायपुर। कोरबा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर सक्रिय रहते हुए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन द्वारा विकास कार्यों को लगातार स्वीकृति दिलाकर उन्हें धरातल पर उतारा जा रहा है। इसी कड़ी में आज मंगलवार को कोरबा नगर पालिक निगम क़े दर्री जोन क़े दो स्थानों पर आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में सात वार्डो में 2 करोड़, 32 लाख की लागत से होने वाले विकास कार्यों की आधारशिला रखी। इन कार्यो के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को आवागमन की बेहतर सुविधा, जल निकासी की समस्या से निजात के साथ-साथ शिक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं तक पहुँच सुगम होगी और क्षेत्र के सामाजिक व आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा विधानसभा का समग्र विकास ही उनकी प्राथमिकता है। कोरबा विधानसभा क़े साथ साथ पूरे जिले के विकास कार्यों को प्राथमिकता क़े साथ पूरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि श्री विष्णुदेव सरकार में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) का बेहतर तरीके से उपयोग हो रहा है। डीएमएफकी पहली ही बैठक में ही जिले क़े सभी जर्जर हो चुके शासकीय स्कूलों एवं आँगनबाड़ी भवनोंके नवीन निर्माण हेतु स्वीकृति दिलाई गई थी। इसके साथ साथ अधोसंरचना क़े सड़क, पुल-पुलिया, नाली, पेयजल, विद्युत, शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं से परिपूर्ण वार्ड और नगर बनाना हेतु हम दृढ़ संकल्प होकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण सामग्री के साथ समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि आम जनता को शीघ्र लाभ प्राप्त हो सके। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा कि नगर क़े शासकीय स्कूल बदहाल हो चुके थे। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन क़े प्रयासों से सभी जर्जर हो चुके स्कूलों के नवीन भवन हेतु राशि की स्वीकृति मिली है, इसी के परिणाम है कि एक साथ

सभी स्कूलों का निर्माण प्रारंभ किया जा रहा है। सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देते हुए कार्यों को गति दी जा रही है। दर्री जोन अंतर्गत फर्टिलाइजर बस्ती वार्ड क्रमांक-51 अंतर्गत प्राथमिक शाला डांडपारा में नवीन भवन निर्माण लागत राशि 16.95 लाख रूपए, शासकीय प्राथमिक शाला स्याहीमुड़ी के नवीन भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन राशि 16.95 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 59 में नीलगिरी बस्ती में सी.सी. रोड निर्माण कार्य 21 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 59 अंतर्गत फर्टिलाइजर बस्ती में जय साहू के घर से मिथुन मंडल के घर तक एवं राजकुमार यादव के घर से राम साहू के घर तक सी.सी. रोड निर्माण लागत 12 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 60 दर्रीखार क्रमांक 2 अंतर्गत प्राथमिक शाला ज्ञानज्योति तुलसी नगर में नवीन भवन निर्माण कार्य लागत 16.95 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 55 सेमीपाली, नवापारा साहू घर के बगल में निर्माण कार्य 10 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 56 लाटा सांस्कृतिक मंत्र से नाथूराम घर होते हुए रामकला यादव घर सर्वमंगला ट्रांसफार्मर से दयाल सिंह घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य लागत 22.50 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 56 अंतर्गत आनंद विहार लाटा में मनहरण लाल साहू एवं रथराम निर्मलकर घर के पास सी.सी. रोड निर्माण लागत 5 लाख रूपए, वार्ड क्रं. 56 शक्ति नगर क्रमांक 01 अंतर्गत प्राथ. शाला अगारखार में नवीन भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन लागत 16.95 लाख रूपए, वार्ड क्रं. 67 बल्गीखार गिरधारी दुकान से स्कूल जूनापारा घर तक आर.सी. नाली निर्माण कार्य लागत 10 लाख रूपए, वार्ड क्रं. 67 अंतर्गत माध्य. शाला बल्गीखार में नवीन भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन लागत 31.30 लाख रूपए, वार्ड क्र. 58 अटल आवास से ट्रांसफार्मर एवं जीवन आशा हॉस्पिटल तक ओ.पी.व्ही.सी. पाईप लाईन बिछाने कार्य लागत 29.64 लाख रूपए, वार्ड क्र. 55 दर्री सलिहाभांठा कमल तिवारी घर से राजपाल घर तक सलिहाभांठा शा. प्रायमरी स्कूल से बाबा घर तक, सुरईया घर से तेश प्रजापति घर एवं नागिनभांठा बाबा घर से संतोष घर तक ओ.पी.व्ही.सी. पाईप लाईन बिछाने कार्य का लागत 20.21 लाख रूपए का भूमिपूजन संपन्न हुआ।

राज्यपाल रमेन डेका की पहल पर गोद ग्रामों में माह मार्च तक योजनाओं के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन का लक्ष्य

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने प्रदेश के गोद लिए गए तीन ग्रामों, बेमेतरा जिले के ग्राम टेमरी, गरियाबंद जिले के ग्राम बिजली और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के ग्राम सोनपुरी में केन्द्र एवं राज्य शासन की फ्लैगशिप योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए उन्होंने माह मार्च 2026 तक का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस संबंध में राज्यपाल श्री डेका ने आज संबंधित अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली।

जिसमें गोद ग्रामों के सरपंच भी उपस्थित रहे। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, पर्यावरण, जल संरक्षण, स्वच्छता, जैविक खेती और आजीविका से जुड़े बहुमुखी विकास पर जोर दिया। राज्यपाल ने निर्देश दिया कि गोद ग्रामों में शिविर लगाकर आयुष्मान हेल्थ कार्ड एवं 70 वर्ष एवं अधिक आयु के नागरिकों के लिए आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाए जाए और वर्ष 2026 तक टी.बी. छत्तीसगढ़ के लक्ष्य के तहत टी.बी. मरीजों को गोद लेने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाए। कैंसर विशेषकर ब्रेस्ट कैंसर की स्क्रीनिंग के लिए शिविर, स्कूली बच्चों की आंखों की जांच के लिए परीक्षा पूर्व आई कैंम्प और बुजुर्गो में मोतियाबिंद जांच के लिए शिविर लगाएं। राज्यपाल ने गोद ग्रामों में स्वच्छता के लिए ग्रामीण महिलाओं का सहयोग लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में लाइवलीहुड मिशन के लिए अच्छे काम हो रहे है। महिलाओं को भी इसका लाभ मिलना चाहिए। राज्यपाल ने सरपंच से चर्चा के दौरान ग्राम बिजली में मुक्तिधाम निर्माण के लिए 3 लाख रूपए अपने स्वेच्छानुदान मद से देने की घोषणा की। साथ ही ग्राम सोनपुरी में स्कूलों बच्चों के लिए लाइब्रेरी में किताबें लोकभवन की ओर से प्रदान करने की घोषणा की उन्होंने ग्राम टेमरी में समुदायिक भवन और ओपन जिम के लिए सी.एस.आर. से राशि उपलब्ध कराए जाने की बात कही। श्री डेका ने निर्देश दिया कि गोद ग्रामों में जिला स्तर के अधिकारी सतत् भ्रमण करें। सरपंच, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से नियमित संवाद कर स्थानीय समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें ताकि योजनाओं का वास्तविक लाभ ग्रामीणों तक पहुंचे। बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, समाज कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती रोक्तिमा यादव, संचालक स्वास्थ्य सेवा श्री संजीव कुमार झा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के उप सचिव श्री एस. आलोक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने "क्षमता निर्माण" पर कार्यशाला

रायपुर। देश के जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने जनजातीय चिकित्सकों के लिए क्षमता निर्माण पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जनजातीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा 16 और 17 जनवरी 2026 को कान्हा शांति वनम, हैदराबाद, तेलंगाना में संपन्न हुई। केन्द्रीय जनजाति कार्यमंत्री जुएल ओराम ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला में केंद्रीय राज्य जनजातीय कार्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके, विशेष रूप से उपस्थित थे।

यह कार्यशाला मुख्य रूप से जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु जनजातीय उपचारकर्ताओं के लिए क्षमता निर्माण पर केन्द्रित था। इस कार्यशाला में छत्तीसगढ़ आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, के सहयोग से राज्य के विभिन्न जनजातीय क्षेत्रों से 19 जनजातीय चिकित्सक शामिल हुए। इस मौके पर केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली के अपर सचिव श्री मनीष ठाकूर, वैज्ञानिक-डी, आईसीएमआर (मेडिकल) की डॉ. जया सिंह क्षत्री द्वारा संयुक्त रूप से आईसीएमआर-आरएमआरसीबीबी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

तकनीक के सहारे बदली धान खरीदी की तस्वीर, छत्तीसगढ़ का किसान हो रहा सशक्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था में तकनीक के समावेश ने किसानों के अनुभव को पूरी तरह बदल दिया है। राज्य सरकार द्वारा लागू की गई पारदर्शी और डिजिटल व्यवस्था से अब धान विक्रय सरल, तेज और किसान हितैषी हो गया है। किसान तुहंर टोकन ऐप के माध्यम से घर बैठे टोकन काटने की सुविधा ने किसानों को बड़ी राहत दी है। सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत किशुननगर के किसान श्री दीपन सिंह इस बदलाव की जीवंत मिसाल हैं। उन्होंने बताया कि वे इस वर्ष 40 क्विंटल धान का विक्रय कर रहे हैं। पहले टोकन कटवाने के लिए उपार्जन केन्द्रों में लंबी कतारें और भीड़ झेलनी पड़ती थी, लेकिन अब मोबाइल ऐप से घर बैठे टोकन कटने से समिति के अनावश्यक चक्कर समाप्त हो गए हैं।

उन्होंने बताया कि नमनाकला धान उपार्जन केन्द्र में पहुंचते ही गेट पास, नमी परीक्षण और बारदाना जैसी सभी प्रक्रियाएं सुव्यवस्थित तरीके से पूरी की गईं। किसानों के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं और समिति के कर्मचारी हर स्तर पर सहयोग कर रहे हैं, जिससे धान विक्रय बिना किसी परेशानी के संपन्न हो रहा है। श्री दीपन सिंह ने बताया कि वे धान के साथ-साथ मक्का, गेहूं और अरहर की खेती भी कर रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी में वृद्धि हुई है। शासन द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल का सर्वाधिक समर्थन मूल्य और प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की व्यवस्था से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, जिससे वे फसल विविधीकरण और आधुनिक खेती में निवेश कर पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में लागू की गई किसान हितैषी नीतियों का लाभ सीधे किसानों तक पहुंच रहा है। पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था से किसानों का भरोसा बढ़ा है और छत्तीसगढ़ का किसान आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से अग्रसर हो रहा है।

उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने किया विकास कार्यो का भूमिपूजन

कोरबा के विभिन्न वार्डों को मिली 03 करोड़ 20 लाख रूपए के विकास कार्यों की सौगात

रायपुर। नगर पालिक निगम कोरबा के रविशंकर नगर जोन के विभिन्न वार्डो को आज 03 करोड़ 20 लाख रूपये के नये विकास कार्यो की सौगात प्राप्त हुई। प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में पृथक-पृथक स्थानों में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रमों के दौरान इन सभी विकास कार्यो का भूमिपूजन उनके करकमलों से किया गया। उद्योग मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत ने विकास कार्यो का भूमिपूजन करते हुए शीघ्र कार्य प्रारंभ करने तथा पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य कर समयसीमा में इन कार्यो को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 34 दादर रोड कलवर्ट से मानिकपुर मुक्तिधाम तक 01 करोड़ 84 लाख रूपये की लागत से कलवर्ट एवं नाला का

निर्माण कराया जाना हैं। इसी प्रकार पं.रविशंकर शुक्ल जोनांतर्गत 06 शासकीय स्कूलों में 36 लाख रूपये की लागत से किचन शेड का निर्माण तथा 12 शासकीय स्कूलों में 60 लाख रूपये की लागत से बालक-बालिका शौचालय का निर्माण भी किया जाना हैं। इसी प्रकार निगम द्वारा वार्ड क्र. 33 मानिकपुर डिपरापारा में 25 लाख रूपये की लागत से सड़का निर्माण कार्य तथा वार्ड क्र. 26 अंतर्गत विनय सिंह घर से जैतखाभ के सामने तक एवं दादर मेन रोड से कुम्हार घर के पास कलवर्ट तक कृष्णा नगर की आंतरिक गलियों का 15 लाख रूपये की लागत से निर्माण कार्य किया जाना हैं।

इस मौके पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में हो रहे प्रदेश के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ शिक्षा के मंदिर विद्यालयों की दशा में ऐतिहासिक रूप से सुधार लाया जा रहा है, विद्यालयों में शौचालयों के अभाव या जीर्ण-शीर्ण शौचालय होने के कारण छात्र-छात्राओं, अध्यापक-अध्यापिकाओं को काफी असुविधा होती थी, किन्तु विगत 02 वर्षो के दौरान इस दिशा में व्यापक कार्य किए गए हैं, विद्यालयों में सर्वसुविधायुक्त व स्वच्छ साफ शौचालय की सुविधा, साइकिल स्टैण्ड, किचन शेड निर्माण, अतिरिक्त कमरों के निर्माण, जीर्ण-शीर्ण शालाओं का नवीनीकरण, नये भवनों का निर्माण, बाउण्ड्रीवाल निर्माण आदि के कार्य व्यापक स्तर पर किए जा रहे हैं। उन्होने आगे कहा कि हम सौभाग्यशाली है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का लगातार आशीर्वाद छत्तीसगढ़ राज्य के सर्वांगीण विकास हेतु हमें प्राप्त हो रहा है, जहॉं तक कोरबा के विकास का प्रश्न है तो मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव के मार्गदर्शन व सहयोग से कोरबा में विकास हेतु राशि की कोई कमी नहीं हो रही है, इसी के परिणाम स्वरूप यहॉं की जनताजनार्दन की मांग व उनकी आवश्यकता के अनुरूप लगातार व्यापक पैमाने पर विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

नहीं टूटेगा जनताजनार्दन का भरोसा इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोरबा की जनता ने उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन को अपना विधायक चुना, मुझे अपना महापौर चुना, यह उनका हम पर भरोसा था, मैं यकीन दिलाती हूँ कि कोरबा की जनता जनार्दन का यह भरोसा कभी नहीं टूटेगा, उनका विश्वास सदैव कायम रहेगा। उन्होने कहा कि उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में निगम क्षेत्र में लगातार विकास कार्य जारी है, जो आगे भी जारी रहेंगे। कोरबा के विकास के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का भरपूर सहयोग व आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सिप्ला ने जागरूकता फैलाने के लिये शुरू किया इनहेल द चेंज

सिप्ला ने जागरूकता फैलाने के लिये शुरू किया इनहेल दसिप्ला ने इनहेल द चेंज शुरु किया है। यह बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन के साथ एक देशव्यापी जागरूकता पहल है। इसका मकसद इंसुलिन थेरेपी से जुड़ी भावना और व्यवहार संबंधी दिक्कतों को दूर करना है। डायबिटीज भारत की सबसे बड़ी जन स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। इसकी वजह से लोग लंबे समय तक बीमार रहते हैं और यह मौत का कारण भी बनता है। भारत में 10 करोड़ से ज़्यादा लोग इस बीमारी से जूझ रहे हैं। इसलिए देश को अक्सर दुनिया की डायबिटीज राजधानी कहा जाता है। यह चिंता की बात है कि सिर्फ़ 27.5प्रतिशत लोगों को अपनी हालत के बारे में पता है और सिर्फ़ 7 प्रतिशत लोगों का ब्लड शुगर कंट्रोल में है। यह संख्या न सिर्फ़ चिकित्सीय चुनौती बताती है बल्कि उन मरीज़ों की रोज़ की मुश्किलें भी दिखाती हैं जो डर, बदनामी या अपनी स्थिति तथा इलाज के उपलब्ध विकल्पों को लेकर जागरूकता की कमी के कारण देरी करते हैं या इनका उपयोग छोड़ देते हैं। वास्तविक जीवन की इन बाधाओं को दूर करने की ज़रूरत पर ज़ोर देते हुए, एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. संजीत कुमार जयसवाल, ने कहा समय पर इंसुलिन लेना शुरू करना गेम-चेंजर हो सकता है, लेकिन कई मरीज़ डर, गलत जानकारी या बहुत ज़्यादा भावनात्मक थकान की वजह से हिचकिचाते हैं। हमें ऐसी जगह बनाने की ज़रूरत है, जहां इन चिंताओं को सुना और दूर किया जा सके। साथ ही आसान और सुविधाजनक विकल्प भी देने होंगे। इनहेल द चेंज जैसी जागरूकता पहल, जो मरीज़ केंद्रित शिक्षा को चिकित्सीय जानकारी के साथ मिलाती हैं, थेरेपी से जुड़ी झिझक को कम करने और इलाज में भरोसा बनाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। असल में, कोई भी कोशिश जो इलाज के विकल्पों को आसान बनाती है और उनके उपयोग को आसान महसूस कराती है उसका स्वागत है खासकर डायबिटीज़ जैसी लंबे समय तक चलने वाली बीमारियों में । इसे आगे बढ़ाते हुए, डॉक्टर ने कहा टाइप 1 डायबिटीज वाले लोगों के लिए इंसुलिन ज़रूरी है और टाइप 2 डायबिटीज वाले कई लोगों के लिए यह एक ज़रूरी थेरेपी बन जाता है। फिर भी, इंजेक्शन का डर, मुश्किल रूटीन और समाज में परेशानी जैसी रोज़मर्रा की रुकावटें अक्सर मरीज़ों को इलाज शुरू करने या उसे जारी रखने से रोकती हैं। 5 हालांकि इंसुलिन देने के नए तरीके व्यावहारिक समाधान देते हैं, लेकिन जो चीज़ सच में फ़र्क डालती है, वह है इस तरक्की को मरीज़ से बातचीत और सपोर्ट के साथ मिलाना। इनहेल द चेंज जैसे कैंपेन खुली बातचीत की संभावना तैयार करते हैं जिससे मरीज़ों को यह महसूस होता है कि उनकी बात सुनी जा रही है, उन्हें जानकारी दी जा रही है और उन्हें मज़बूती दी जा रही है।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने भारत में नई कुशाक पेश की

स्कोडा ऑटो इंडिया ने नई कुशाक पेश की है, जो वैल्यू, सेफ्टी, डायनामिक्स को नए सिरे से परिभाषित करती है और यूरोपियन टेक्नोलॉजी को डेमोक्रेटाइज़ करने की अपनी स्ट्रैटेजी को आगे बढ़ाती है। कुशाकइंडिया 2.0 स्ट्रैटेजी के तहत ब्रांड की पहली कार है और इसने भारत में कंपनी की ग्रोथ में तेज़ी लाई है। सेगमेंट-फर्स्ट टेक्नोलॉजी जैसे बिल्कुल नए आठ-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन, रियर सीट मसाज फंक्शन, और कई नए फीचर्स और स्टैंडर्ड इक्विपमेंट के साथ, नई कुशाक स्कोडा ऑटो इंडिया की यूरोपियन इंजीनियरिंग को भारतीय सड़कों पर और ज़्यादा आसान बनाने की स्ट्रैटेजी को फॉलो करती है।

स्कोडा ऑटो के सीईओ क्लॉस ज़ेल्मर ने कहा, नए रूप में आया कुशाकभारत के महत्व को और मज़बूती से रेखांकित करता है, जो स्कोडा ऑटो की अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में विस्तार रणनीति के लिए एक अहम आधार है। कुशाकने भारत में ग्राहकों के बीच तेज़ी से अपनी पहचान बनाई है और आसियान व मध्य पूर्व के लिए एक निर्यात मॉडल के रूप में भी खुद को स्थापित किया है। अब हम इस मॉडल के समग्र वैल्यू प्रपोज़िशन के लिए एक नया बेंचमार्क तय कर रहे हैं। इस अपडेट में मॉडर्न सॉलिड डिज़ाइन एलिमेंट्स के साथ-साथ इंफोटेनमेंट और ड्राइवर असिस्टेंस फीचर्स में कई उन्नत सुधार शामिल किए गए हैं, जो और अधिक आराम और सुरक्षा प्रदान करते हैं। कोडियाक और क्यलाक के साथ मिलकर, स्कोडा ऑटो भारत में एक ऐसा एसयूवी पोर्टफोलियो पेश करता है जो प्रमुख सेगमेंट्स और विभिन्न मूल्य स्तरों को कवर करता है। कुशाकको एक शानदार स्तर पर ले जाना यूरोप के बाहर हमारे सबसे महत्वपूर्ण बाज़ार में अतिरिक्त मांग और आगे की वृद्धि के अवसर पैदा करता है। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा, स्कोडा में हमारा मिशन यूरोपियन टेक्नोलॉजी को सबके लिए उपलब्ध कराना और इसे पूरे भारत में कस्टमर्स के लिए ज़्यादा आसान बनाना है। आज, शहरों और इलाकों के बीच की सीमाएं धुंधली हो रही हैं, और उम्मीदें मिल रही हैं।

एयरटेल ने छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में 2400 से अधिक नए साइट्स के साथ 5जी नेटवर्क का विस्तार किया

रायपुरः भारत की अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक, भारती एयरटेल ने बताया कि उसने पिछले 12 महीनों में छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में 2400 से अधिक नए 5जी साइट्स लगाए गए हैं। इससे ग्राहकों को तेज़ गति, व्यापक कवरेज और नेटवर्क अनुभव में उल्लेखनीय सुधार मिला है।

87 जिलों में कंपनी के इस नेटवर्क विस्तार से अब व्यस्त शहरों, तेज़ी से विकसित हो रहे कस्बों और यहां तक कि दूरदराज़ के ग्रामीण गांवों में भी 3.6 करोड़ ग्राहकों को भरोसेमंद हाई-स्पीड कवरेज मिल रहा है। प्रतिदिन छह नए साइट्स लाइव होने के साथ, ग्राहक बेहतर स्ट्रीमिंग, तेज़ डाउनलोड, निर्बाध ऑनलाइन काम और पढ़ाई, तथा अधिक विश्वसनीय डिजिटल भुगतान का लाभ उठा सकते हैं—चाहे वे कहीं भी रहते हों या यात्रा करते हों।

रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, देवास, राजनांदगांव, कोरबा, इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, उज्जैन और सागर सहित कई प्रमुख जिलों के ग्राहक इस विस्तारित नेटवर्क से सीधे लाभान्वित होंगे। यह विस्तृत कवरेज हाई-स्पीड 5जी सेवाओं तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करेगा, जिससे नागरिकों, छात्रों, सूक्ष्म व्यवसायों और सरकारी संस्थानों की दैनिक डिजिटल जरूरतों को बेहतर समर्थन मिलेगा। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के भारती एयरटेल के सीईओ रितेश अग्रवाल ने कहा,छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश एयरटेल के लिए अत्यंत रणनीतिक बाजार हैं, और यह विस्तार भारत के हर कोने को जोड़ने की हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पिछले एक वर्ष में हमने 2400 से अधिक नए 5जी साइट्स लगाए हैं, जिससे एक मजबूत डिजिटल बैकबोन तैयार हुआ है, जो इन राज्यों में विकास और नवाचार की नींव बनेगा।

संपादकीय

ट्रंप से किसी रहम की उम्मीद नहीं

जब पूछा गया कि क्या उनकी वैश्विक शक्ति की कोई सीमा है, तो डॉनल्ड ट्रंप ने कहा- 'हां, एक चीज है- मेरी अपनी नैतिकता। मेरा अपना दिमाग। यही एक चीज है, जो मुझे रोक सकता है।' जो बातें डॉनल्ड ट्रंप पर बतौर इल्जाम कही जाती थीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब खुद उसकी पुष्टि कर दी है। दो-टूक कहा है कि वे किसी अंतरराष्ट्रीय कानून से बंधे हुए नहीं हैं। उन्होंने सैनिक, आर्थिक या राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल करने के मामलों में अपनी पूरी 'स्वतंत्रता' का एलान किया। कहा कि अपने मकसद को हासिल करने की राह में आने वाली किसी अंतरराष्ट्रीय संधि, कानून, समझौते आदि वे नहीं मानते। जब पूछा गया कि क्या उनकी वैश्विक शक्ति की कोई सीमा है, तो उन्होंने कहा- 'हां, एक चीज है- मेरी अपनी नैतिकता। मेरा अपना दिमाग। यही एक चीज है, जो मुझे रोक सकता है।' राजतंत्र के दौर में समझा जाता था कि राजा की सोच या वह जो कहता है, वही कानून है। ताजा टिप्पणियों से ट्रंप ने उस दौर की मान्यता के अनुरूप खुद को विश्व सम्राट के रूप में पेश किया है। इन बातों की रोशनी में वेनेजुएला में उनके प्रशासन ने क्या किया या ग्रीनलैंड में क्या करने का इरादा रखता है, उसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद स्थापित हुई नियम आधारित एवं उदार विश्व व्यवस्था के तर्कों से समझने की कोशिश व्यर्थ हो जाती है। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि उस समझ के आधार पर होने वाली आलोचनाओं का उनकी निगाह में कोई महत्त्व नहीं है। वे दुनिया को नए युग में ले गए हैं, जो शक्ति के सिद्धांत के प्रेरित है। ट्रंप के आचरण में यह बात पहले से ही साफ नजर आती रही है, मगर अब उन्होंने इनको सैद्धांतिक जामा भी पहना दिया है। संदेश यह है कि ट्रंप सिर्फ ताकत का सम्मान करना जानते हैं। संभवतः इसीलिए शी जिनपिंग या व्लादीमीर पुतिन का उल्लेख करते हुए वे उतना अपमानजनक लहजा नजरिया नहीं दिखाते, जैसा इजहार दूसरे नेताओं- जिनमें यूरोपीय नेता भी शामिल हैं- के प्रति करते हैं। भारत जैसे देशों को इसका अर्थ समझना चाहिए। उन्हें ट्रंप से किसी रहम की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। ट्रंप के दौर में अपने हित की रक्षा कैसे की जाए, यह यक्ष प्रश्न उनके सामने खड़ा है।

विश्व रंगः ईरान में न अमन, न चैन

डॉ. सुधीर सक्सेना

ईरान अशांत है। वह फिलवक्त दो पाटों में फंसा हुआ है। एक ओर तो घरेलू मोर्चे पर देगची में असंतोष खलभला रहा है, दूसरी ओर लंबे अर्से से आर्थिक-पाबंदियां झेल रहे ईरान को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की %कभी भी कार्रवाई% की धमकी ने सांसत में डाल दिया है। यद्यपि ईरान ने युद्ध के लिये तैयार रहने और आक्रमण होने पर करारा जवाब देने की बात कही है, अलबत्ता उसने अमेरिका के साथ वार्ता के लिये भी तत्परता दर्शायी है। गौरतलब है कि वाशिंगटन और तेहरान के बीच दौत्य-संबंध नहीं है और उनके बीच संदेशों के आदान-प्रदान का दायित्व स्विस-दूतावास निभा रहा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघायेई का कहना है कि मध्यपूर्व के लिये ट्रंप प्रशासन के विशेष दूत स्टीव विटकोफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरघची के बीच संचार-प्रणाली चालू है और पड़ने पर संदेशों का आदान-प्रदान जारी है। सोमवार 12 जनवरी को ईरानी विदेशमंत्री यह कहते हुये उद् ?धृत किये गये कि ईरान ने युद्ध के साथ-साथ वार्ता के लिये अपने दरवाजे खुले रखे हैं। उनके इस बयान को तेहरान की मन:स्थिति के परिचायक के तौर पर देखा जा सकता है। यह इस बात का द् ?योतक है कि तेहरान जंग की बात भले ही कहे, लेकिन गहन आंतरिक असंतोष के इस कठिन दौर में वह अपनी ओर से जंग के लिये अनिच्छुक है और जैसे भी हो वह जंग को टालना चाहेगा। ईरान के इस्लामी गणतंत्र के लिये मुसीबतों का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वहां करीब एक पखवाड़े से उग्र प्रदर्शनों का तांता लगा हुआ है। 28 दिसंबर से शुरू हुये उन प्रद ?र्शनों पर काबू पाने के लिये पुलिस को जगह-जगह गोलियां चलानी पड़ी है। इसके फलस्वरूप अब तक 646 लोगों की जान जाने की खबर है। इनमें 505 प्रदर्शनकारियों, 113 सुरक्षाकर्मियों और सात तमाशबीनों का समावेश है। इसके अलावा 579 मौत की पुष्टि होना अभी शेष है और उनकी तफ्तीश की जा रही है। सरकार ने प्रदर्शनकारियों के प्रति कड़ाई बरतने के संकेत दिये हैं और एक पखवाड़े की अवधि में दस हजार से अधिक ईरान को गिरफ्तार किया है। इन दिनों घड़ी सुइयां तेजी से घूम रही है। शनिवार को तेहरान् में ईरान ने ब्रिटिश राजदूत को तलब किया और ब्रिटेन के विदेश मंत्री के ईरान को लेकर बयान के जरिये दखलंदाजी पर नाराजगी का इजहार किया। साथ ही इस वाकये पर भी अप्रसन्नता व्यक्त की गयी, जिसमें लंदन में एक युवक ने ईरान के दूतावास पर लगा ईरानी झंडा हटाकर वहां सन 1979 की इस्लामी क्रांति के पूर्व प्रयुक्त झंडे से मिलता जुलता ध्वज फहरा दिया। ब्रिटेन ने अधिकारिक तौर पर इस बाबत कोई वक्तव्य जारी नहीं किया है। इस उस बीच ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर कली बाफ ने वाशिंगटन को चेतावनी दी कि वह ईरान को कमजोर समझने की गलती नहीं करे। ईरान की क्रांतिकारी गारद के मुखिया रह चुके कुली बाफ ने तुर्श लहजे में कहा कि ईरान पर हमले की हालत में इस्त्रायल तथा अमेरिका के सभी अड्डे और जलपोत हमारे निशाने पर होंगे। ईशन पर विश्व राजनय की दशा और दिशा को संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव अंतोनियो गुटर्रेस के उस बयान से भी समझा जा सकता है, जिसमें उन्होंने ईरान में आंतरिक हिंसा से स्तब्ध होने और ईरानी सरकार से हिंसा के बजाय संयम बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण इकट्ठा होने और प्रदर्शन का सम्मान किया जाना चाहिये। प्रदर्शन और दमन की खबरों के बीच शनिवार को इस्त्रायल के प्रधानमंत्री वेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रूबियो ने फोन पर बातचीत की। रिपब्लिकन सिनेटर रैंड पॉल और डेमोक्रेट सिनेटर मार्क वानर ने ईरान पर अमेरिकी सैन्य आक्रमण की संभावना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि विदेशी हमले की स्थिति में ईरानी आवाम हमले के खिलाफ एकजुट हो जायेगा। विशेषज्ञों का मत है कि इससे ईरानी सरकार को असंतोष पर काबू पाने में मदद मिलेगी। मत-मतांतरों के कुहासे में अब लोगों की नजर मंगलवार को राष्ट्रपति की अमेरिकी सांसदों व सलाहकारों से मुलाकाता के नतीजों पर है। उधर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने स्पष्ट शब्दों में अमेरिका और इस्त्रायल पर ईरान में अस्थिरता का जाल बुनने का आरोप लगाया है।

बंगाल में लोकतंत्र, विकास और अस्मिता की निर्णायक परीक्षा-घड़ी

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जहां सत्ता, संघर्ष, कानून और जनभावना-चारों धाराएं एक-दूसरे से टकराती हुई दिखाई देती हैं। यह टकराव केवल भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई भर नहीं है, बल्कि यह उस शासन शैली, लोकतांत्रिक मर्यादा और विकास दृष्टि की भी परीक्षा है, जिसके आधार पर बंगाल अपनी आने वाली राजनीतिक दिशा तय करेगा। लंबे समय तक खेला होगा के नारे के सहारे भाजपा को रोकने में सफल रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने इस बार परिस्थितियां अपेक्षाकृत अधिक जटिल, चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी नजर आ रही हैं। आज समूचे देश की नजरें पश्चिम बंगाल पर टिकी है। वहां आगामी विधानसभा काफी रोमांचक एवं निर्णायक होगा, जिसमें पश्चिम बंगाल का नया भविष्य बुनने की दिशाएं उद्घाटित होगी।

एक ओर केंद्र और राज्य के बीच टकराव अपने चरम पर है, तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, अदालती टिप्पणियां और कानूनी बहसें राजनीतिक विमर्श को नियंत्रित कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने केवल एक कानूनी प्रश्न ही नहीं उठाया, बल्कि यह संकेत भी दिया कि राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में हस्तक्षेप की सीमाएं कहां तक हो सकती हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ममता बनर्जी की उस राजनीतिक छवि को आंशिक रूप से प्रभावित किया है, जो अब तक स्वयं को केंद्र के कथित दमन के विरुद्ध संघीय ढांचे की रक्षक के रूप में प्रस्तुत करती रही हैं। अदालतों में लंबी चलने वाली कानूनी लड़ाइयों का राजनीतिक प्रभाव तुरंत और गहरा होता है, विशेषकर तब, जब चुनाव नजदीक हों और जनता का ध्यान प्रशासनिक उपलब्धियों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप पर केंद्रित होने लगे। बंगाल की राजनीति की एक विशिष्ट विशेषता यह रही है कि यहां विचारधारा और भावनाएं अत्यंत तीव्र रूप से अभिव्यक्त होती हैं। वाम मोर्चे के लंबे शासन के बाद ममता बनर्जी का उदय एक जनांदोलन के रूप में हुआ था। उन्होंने न केवल वामपंथी वर्चस्व को तोड़ा, बल्कि खुद को गरीब, हाशिए के वर्ग और क्षेत्रीय अस्मिता की आवाज के रूप में स्थापित किया। शुरुआती वर्षों में उनकी सरकार ने कुछ कल्याणकारी योजनाओं और सशक्त राजनीतिक संप्रेषण के माध्यम से जनता का विश्वास भी अर्जित किया। किंतु समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, संगठन पर अत्यधिक नियंत्रण और विरोध के प्रति असहिष्णुता जैसे आरोप भी समानांतर रूप से उभरते गए।

भाजपा ने इन्हीं कमजोरियों को अपना राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश की है। 2019 के लोकसभा चुनावों से लेकर अब तक भाजपा ने बंगाल में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद तथा भ्रष्टाचार विरोधी विमर्श को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से वापसी की, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा बंगाल की राजनीति में एक स्थायी और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है। मत प्रतिशत में अंतर और सीटों का आंकड़ा भाजपा के लिए भले ही निराशाजनक रहा हो, पर संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक आधार का विस्तार उसके लिए भविष्य की संभावनाओं के द्वार खोलता है। हाल के वर्षों में बंगाल में विकास का प्रश्न अपेक्षाकृत पीछे छूटता दिखाई दिया है। उद्योग, निवेश और रोजगार के मुद्दे राजनीतिक शोर में दब गए हैं। आम जनता की एक बड़ी चिंता यह भी है कि राज्य की राजनीति निरंतर टकराव और हिंसा के आरोपों से क्यों घिरी रहती है। चुनावी हिंसा, राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हमले और प्रशासन की निष्पक्षता पर उठते सवाल राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। पड़ोसी देशों से अवैध घुसपैठ, सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकीय बदलाव और कानून-व्यवस्था की चुनौतियां भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन चुकी हैं। इन मुद्दों पर ममता सरकार का रुख अक्सर रक्षात्मक दिखाई देता है, जबकि भाजपा इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान से जोड़कर व्यापक समर्थन जुटाने का प्रयास करती है।

महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। किंतु बंगाल कोई साधारण राजनीतिक मैदान नहीं है। यहां की सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक स्मृति किसी भी दल के लिए आसान नहीं रही है। ममता बनर्जी की सबसे बड़ी ताकत आज भी उनकी जमीनी पकड़ और भावनात्मक अपील है, जो उन्हें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से अलग, एक क्षेत्रीय और स्थानीय नेता के रूप में स्थापित करती है। आने वाले विधानसभा चुनाव वास्तव में इस बात की कसौटी होंगे कि जनता विकास, स्थिरता और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देती है या फिर भावनात्मक और पहचान आधारित राजनीति को? क्या ममता बनर्जी लगातार चौथी बार सत्ता में लौटकर यह सिद्ध कर पाएंगी कि केंद्र से टकराव ही उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी है, या भाजपा जनता को यह विश्वास दिलाने में सफल होगी कि परिवर्तन ही स्थायित्व और विकास का रास्ता है, यह प्रश्न अभी खुला हुआ है। अदालती प्रक्रियाएं, राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी रणनीतियां अपनी जगह हैं, लेकिन अंतिम निर्णय बंगाल की जनता के हाथ में है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति आज संकीर्णता और सांप्रदायिक ध्रूवीकरण के ऐसे दौर से गुजर रही है, जिसने विकास की गति को गंभीर रूप से अवरुद्ध किया है। कभी देश की आर्थिक, औद्योगिक और बौद्धिक राजधानी कहलाने वाला बंगाल-विशेषकर कोलकाता, आज निवेश, उद्योग और रोजगार के मोर्चे पर पिछड़ता हुआ दिखाई देता है। ममता बनर्जी के लंबे शासनकाल में औद्योगिक विश्वास का क्षरण, पूंजी पलायन, बंद होती इकाइयाँ और युवाओं का अन्य राज्यों की ओर पलायन इस गिरावट के स्पष्ट संकेत हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर उठते प्रश्न, विपक्षी आवाज़ों का दमन और चुनावी हिंसा की घटनाएँ राज्य के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य पर गहरी चोट करती हैं। इसके साथ ही, राज्य में सामाजिक ताने-बाने को लेकर बढ़ती आशंकाएँ भी कम चिंताजनक नहीं हैं। अनेक क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था, धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक संबंधों को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं; विशेषकर हिंदू समाज के एक हिस्से में असुरक्षा की भावना ने जनमन को आहत किया है। इन घटनाओं और धारणाओं ने जनता के भरोसे को कमजोर किया है और शासन के प्रति निराशा को बढ़ाया है। राजनीति जब पहचान और विभाजन के इर्द-गिर्द सिमटती है, तो विकास, समावेशन और सामाजिक सौहार्द पीछे छूट जाते हैं, यही आज के बंगाल की त्रासदी बनती दिख रही है। ऐसे समय में बंगाल की जनता के लिए अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सजग होना अनिवार्य है। यह राज्य केवल भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि उसकी अस्मिता उसकी बौद्धिक परंपरा, भावनात्मक संवेदनशीलता, धार्मिक सहअस्तित्व, आध्यात्मिक खोज और समृद्ध साहित्यिक विरासत से निर्मित है- रवींद्रनाथ से विवेकानंद तक की धरोहर इसे दिशा देती रही है। दंगों, हिंसा और भय के साए में इस अस्मिता पर जो दाग लगे हैं, उन्हें मिटाने का मार्ग शांतिपूर्ण, जागरूक और निर्भीक लोकतांत्रिक सहभागिता से ही निकलेगा। आगामी चुनाव जनता के लिए आत्ममंथन और आत्मनिर्णय का अवसर हैं-जहाँ मत केवल सत्ता नहीं, बल्कि बंगाल के भविष्य, उसकी संस्कृति और उसके लोकतांत्रिक आत्मसम्मान की रक्षा का माध्यम बनना चाहिए। बंगाल की बनती नई तस्वीर अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। यह तस्वीर संघर्ष और संभावनाओं, आशंकाओं और उम्मीदों से बनी है। एक ओर सत्ता का अनुभव और जनाधार है, तो दूसरी ओर आक्रामक विपक्ष और राष्ट्रीय राजनीति की ताकत। लोकतंत्र की यही खूबी है कि वह अंतिम शब्द जनता को देता है। बंगाल के मतदाता ही तय करेंगे कि शह-मात की इस राजनीति में अगली चाल किसकी होगी और कौन-सा पक्ष अंततः बाजी मारेगा।

पूरा साल घुसपैठियों के ढ़ोल के शोर में गुजरेगा

हरिशंकर व्यास

अलग ही हस्ती है। सो, व्यर्थ है यह सवाल कि छब्बीस में भारत की सेहत, सांस क्या बेहतर होगी? इतना जरूर है कि मौजूदा मोदी राज जिन चार पायों पर टिका है वे और मजबूत होंगे। मतलब मोदी राज में- भीड़, ढोल, रेवड़ी तथा आंकड़ों में विकासमान उछाला गारंटीशुदा है। 2026 के अंत में भीड़ का आकार बढ़ा हुआ होगा। भीड़ को रेवड़ियों से नचाने के नए कार्यक्रम बने हुए होंगे। आंकड़े और हवा-हवाई बने मिलेंगे। कहावत जो है थोथा चना बाजे घना। मतलब दिसंबर 2026 में जापान, जर्मनी, चीन, अमेरिका सबको पछाडता भारत विश्वगुरूता के बाद अपने को ब्रह्माण्ड का नेता घोषित करे तो आश्चर्य नहीं होगा। अब यदि 2026 में इतना भौकाल हुआ तो स्वाभाविक जो नरेंद्र मोदी-अमित शाह के चुनाव जीतने के रिकॉर्ड में कमी नहीं होगी। चुनाव जीतेंगे और देशा गाएगा- बहारों फूल बरसाओ, भारत विकसित हुआ है!

दूसरे देश 2026 के सिनेरियो, उम्मीदों में एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, उड़ती हुई कारों से लेकर भू राजनीति अर्थात अमेरिका, चीन, वैश्विक व्यवस्था, जलवायु संकट, व्यापार-पूंजी, विज्ञान-तकनीक के बदलते आयामें में दिमाग खपाए हुए है वही भारत का नया साल घुसपैठियों, बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या से प्रारंभ है। तभी मेरा मानना है 2026 का पूरा साल घुसपैठियों के ढ़ोल के शोर में गुजरेगा। बंगाल में विधानसभा चुनाव है और घुसपैठियों, हिंदुओं की हत्या का रोना धोना हिंदू-मुस्लिम राजनीति का रामबाण नुस्खा है तो उत्तर प्रदेश के अगले चुनाव की भूमिका के लिए भी ढोल का यही सुर वर्ष 2026 की भारत पहचान बनेगा।

2026 में मोदी सरकार के बारह साल पूरे होंगे। गौर करें 2024 में लोकसभा के अल्पमत वाले नतीजों, मोदी सरकार के चंद्रबाबू के टेके के बाद से ढोल की गूंज कितनी और कैसे बढी है? भीड़ को वास्तविकताओं से ओझल रखने की राजनीति में पैसा बांटना, रेवड़ियों, आंकड़ों ने नई ऊंचाईयां पाई हैं। ऑपरेशन सिंदूर निर्णायक मोड़ था। दुनिया ने जब पाकिस्तान का ढोल सुना तो उस नैरेटिव की छाया से अपनी भीड़ को बचाए रखने के लिए मोदी सरकार ने तरह-तरह से अपनी पीठ थपथपाई और बिहार भी जीत लिया!

यों मोदी सरकार अब वक्त गुजरते जाने, घटते जीवन की चिंता में बेचैन है। बारह साल होने को है भला आगे और कितने साल? तभी अमिट सत्ता की मैसेजिंग में महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार के चुनावों में न केवल सरकारी खजाना, पैसा लुटाया बल्कि चुनाव प्रक्रिया को भी संदिग्ध बना डाला। प्रदेशों के चुनाव से ही सरकार ऑक्सीजन पाए हुए है। और तय मानें 2026 में भी राज्यों के चुनावों में ताकत झोंकी जाएगी। बंगाल, असम. केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी के पांच राज्यों में असम, बंगाल में भाजपा घुसपैठियों, हिंदू बनाम मुस्लिम फॉर्मूले पर ही चुनाव लड़ेगी। यों भी बांग्लादेश में हिंदू विरोधी माहौल से असम-बंगाल दोनों जगह धुव्रीकरण बनना है।

तभी 2026 खतरनाक भी हो सकता है। पहले बांग्लादेश में चुनाव है। चुनाव में उनकी जीत होगी जो भारत विरोध की मशाल जलाए कट्टरपंथी है। सो, मुमकिन है कि घुसपैठियों के शोर के अनुपात में ढाका-इस्लामाबाद का गठजोड़ पके। सामरिक गठजोड़ बने। आतंकी घटनाएं हों। इसलिए अमेरिकी थिंकटैंक के इस आकलन में दम है कि 2026 में भारत-पाकिस्तान में फिर ठन सकती है। जनरल मुनीर की मनोदशा में अपने आपको प्रामाणिक तुरर्म खां साबित करने की ललक है। उन्हें भारत का अंदरूनी शोर चीन, रूस, अमेरिका, बांग्लादेश सबसे नए गठजोड़ से 2026 में अवसर मुहैया हो सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप की कूटनीतिक ब्लैकमेलिंग का वैश्विक फलाफल

कमलेश पांडे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कथित ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीतिक रणनीति, विशेष रूप से टैरिफ़ और क्षेत्रीय दावों के माध्यम से, उनके मित्र देश रह रह कर परेशान हो उठते हैं। जबकि अमेरिका के शत्रु देश उनको आंख दिखाकर अपनी मनवाने से भी नहीं चूकते, खासकर चीन, रूस और ईरान जैसे दबंग देश। इससे जहां वैश्विक कूटनीति चौराहे पर खड़ी प्रतीत होती है, वहीं उनकी ढुलमुल नीति व्यापार को गहराई से प्रभावित कर रही है। यही वजह है कि यूरोपीय देश, जापान, भारत आदि अंदर से बेचैन हैं। सच कहूं तो राष्ट्रपति ट्रंफ का यह अव्यवहारिक व मतलबपरस्त रुख आर्कटिक सुरक्षा, नाटो एकता और बहुपक्षीय व्यापार नियमों को खुली चुनौती दे रहा है।

सबसे पहले इसी कसौटी पर यूरोप व नाटो देशों से जुड़े ग्रीनलैंड विवाद को समझते हैं, जहां ट्रंप ने ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने की मांग क्या रख दी, उनके इस अटपटी सोच से उनके मित्र भी बौखलाहट दिखाने लगे। जिससे परेशान अमेरिका ने सहयोगी से विरोधी बन रहे आठ यूरोपीय देशों (डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी आदि) पर 10त्न टैरिफ़ लगाने की धमकी दी है, जो जून 2026 तक 25त्न हो सकता है। यही वजह है कि यूरोपीय नेता जैसे स्वीडन के पीएम उल्फ क्रिस्टर्सन और नीदरलैंड्स के विदेश मंत्री डेविड वैन वील ने सहयोग की बजाय संवाद पर जोर देते हुए इसे स्पष्ट ब्लैकमेल करार दिया। वहीं, नाटो प्रमुख मार्क रुटे ने ट्रंप से बातचीत की पुष्टि की, लेकिन आर्कटिक क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका जताई।

जहां तक चीन-अमेरिका व्यापार युद्ध की बात को इस ब्लैकमेलिंग वाली कसौटी पर कसें तो प्रतीत होता है कि साल 2025 में ट्रंप द्वारा चीन पर 104त्न टैरिफ़ लगाने को चीन (बीजिंग) ने खुलकर ब्लैकमेलिंग बताया और अंत तक लड़ने का वादा किया। चीनी पीएम ली कियांग ने इसे संरक्षणवाद का उदाहरण माना, और प्रतिक्रिया स्वरूप यूरोपीय संघ के साथ सहयोग बढ़ाने की बात कही। इससे वैश्विक शेयर बाजारों में मंदी की आशंका बढ़ी, क्योंकि अमेरिका ने 70+ देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ़ लागू किए।

वहीं ट्रंफ की ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीति का वैश्विक प्रभाव भी साफदिख रहा है, क्योंकि उनकी इस रणनीति से नाटो जैसे गठबंधनों में दरार डाल पड़ने लगी है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता के संकेत भी मिलने लगे हैं, क्योंकि 1 फरवरी 2026 की डेडलाइन नजदीक है। यूरोप ने आपात बैठक बुलाई, जबकि भारत जैसे देश भी 26त्न से 50 प्रतिशत टैरिफ़ का सामना कर रहे हैं। इससे इनकी बेचैनी समझी जा सकती है। कुल मिलाकर, ट्रंफ की ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीति सिर्फ अमेरिका-प्रथम नीति को प्राथमिकता देती है, लेकिन इससे बहुपक्षीय संस्थाओं के कमजोर होते चले जाने की आशंका भी निराधार नहीं है। देखा जाए तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियां नाटो पर दबाव बढ़ा रही हैं, खासकर ग्रीनलैंड विवाद और रक्षा खर्च मांग के माध्यम से। इसके वैश्विक दुष्प्रभाव या असर को समझते हुए ही अमेरिका ने पश्चिमी गोलार्द्ध में खुद को मजबूत करने के लिए बेनेजुएला सम्प्रभुता तहस नहस कांड कांड जैसा दुस्साहस दिखाया। इससे रूस, चीन, भारत, ईरान की फटी पड़ी पैबंद भी सामने आ गई। यह सबकुछ इसलिए किया गया ताकि अमेरिका फर्स्ट दृष्टिकोण को और अधिक मजबूत किया जा सके। अमेरिका की यह खुली पहल उसके नेतृत्व वाले नाटो गठबंधन की एकता को दो टूक चुनौती दे रही है, लेकिन कुछ नाटो सदस्यों ने जिस तरह से अपना रक्षा बजट बढ़ाया है, उससे ट्रंफ का मनोबल बढ़ा है। जहां तक ग्रीनलैंड सम्बन्धी तनाव की बात है तो ट्रंप की ग्रीनलैंड अधिग्रहण जैसी अव्यवहारिक मांग का विरोध होने के बाद अमेरिका ने डेनमार्क, स्वीडन, जर्मनी जैसे नाटो सदस्यों पर भी 10त्न टैरिफ़ लगाए, जो 25त्न तक बढ़ सकते हैं। जबकि यूरोपीय देशों ने आर्कटिक में सैन्य तैनाती बढ़ाई, जबकि ट्रंप ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बताया। इस पर नाटो प्रमुख मार्क रुटे ने ट्रंफ सेवबातचीत की, लेकिन विशेषज्ञ इसे गठबंधन के सबसे काले घंटे की संभावना मानते हैं। जहां तक नाटो देशों पर रक्षा खर्च बढ़ाने सम्बन्धी अमेरिकी दबाव की बात है तो ट्रंप ने सदस्य देशों से जीडीपी का 5त्न रक्षा पर खर्च करने की मांग की, जो पहले 2त्न के वेल्स वादे से दुगुने से भी ऊपर है। उनके दावे के अनुसार, इस दबाव से खर्च बढ़ा, लेकिन यूरोप को अमेरिकी सुरक्षा ब्लैंक चेक बंद करने की चेतावनी दी। इससे यूरोपीय नेता नाराज़ हैं, जो नाटो विस्तार (जैसे यूक्रेन) रोकने का संकेत भी देता है। जहां तक ट्रंफ के ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीति के संभावित प्रभाव की बात है तो इस बात में कोई दो राय नहीं कि उनकी ये नीतियां नाटो में दरार पैदा कर सकती हैं, और ट्रांस-अटलांटिक संबंधों को कमजोर करेंगी। यही वजह है कि अमेरिकी संसद में नाटो से निकासी के विधेयक आए हैं, हालांकि तत्काल विदड्रॉल नहीं हुआ। कुल मिलाकर, लेन-देन वाली कूटनीति गठबंधन की विश्वसनीयता को खतरे में डाल रही है। जबकि अमेरिकी सोच है कि यूरोप की गफलत में फंसकर रूस और एशिया की चकरघिन्नी में फंसकर चीन से खुली दुश्मनी लेने से बेहतर है कि खुद को पश्चिमी गोलार्द्ध यानी उत्तर अमेरिका व दक्षिण अमेरिका के देशों के बीच महफूज़ रखो और यहां पर यूरोपीय/एशियाई देशों की दाल नहीं गल सके, इस हेतु बेनेजुएला जैसी अप्रत्याशित कार्रवाई करते रहो।

पैरेंटिंग का ये तरीका है सबसे बेस्ट

बच्चों की परवरिश करना आसान काम नहीं है। पहली बार पैरेंट्स बनने वालों को लिए तो इसमें काफी मुश्किलें होती हैं, क्योंकि उन्हें कई सारी चीजें पता ही नहीं होती हैं। जिसकी वजह से कई सारी गलतियां भी होती हैं। इन गलतियों का असर बच्चों के दिल और दिमाग पर हो सकता है। ऐसे में पीडियाट्रिक बच्चों की सही परवरिश को लेकर कई टिप्स बताते हैं। जिन्हें फॉलो कर अपने बच्चों को अच्छा भविष्य दे सकती हैं। इससे उनके साथ आपका बॉन्ड भी काफी मजबूत बनेगा।

बच्चों की बात से सहमत होना

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर आपका बच्चा आपकी हर बात से सहमत नहीं है या किसी बात पर आप दोनों के विचार नहीं मिल पा रहे हैं तो ये ओके है। अगर बच्चे के विचार आपसे अलग हैं तो इसका मतलब वह खुद से कुछ नया ट्राई करना चाहता है। वो अपने हिसाब से अपनी लाइफ जीना चाहता है। ऐसे में परेशान होकर उस पर दबाव नहीं बनाना चाहिए, क्योंकि ये उसके भविष्य के लिए ठीक है।

हर दिन कुछ नया सीखें

पीडियाट्रिशियन के मुताबिक, बच्चों की परवरिश करते समय हर दिन आगे बढ़कर कुछ न कुछ नया सीखना चाहिए। इससे आप बच्चों के विकास को एंजॉय कर पाएंगे। डॉक्टर के मुताबिक, बच्चे को रोने से भी कभी नहीं रोकना चाहिए। इस तरह वो अपनी भावनाएं व्यक्त करता है। उसे भावनाओं को सही तरह समझानें का सही तरीका बताएं। इससे बच्चा अपने इमोशंस को सही तह समझ पाएगा और उन्हें कंट्रोल कर पाएगा।

बच्चों के पापा को क्या करना चाहिए

बच्चे की परवरिश में पिता का काफी योगदान होता है। उन्हें अपने बच्चों की जरूरतों को पूरा करना पड़ता है। पिता का काम बच्चे को सिर्फ फाइनेंशियल ही नहीं इमोशनल सपोर्ट भी करना चाहिए। अपने बच्चे को भावनात्मक रूप से मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।

बच्चों की परवरिश करते समय क्या करें

अगर आप अभी-अभी पैरेंट बने हैं और बच्चों का परवरिश करना सीख रहे हैं तो ऊपर बताई सभी टिप्स को फॉलो करना चाहिए। इससे बच्चे को आसान और बेहतर जिंदगी दे पाएंगे। आपका और बच्चे का बॉन्ड भी अच्छा बनेगा। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि किसी तरह की परेशानी आने पर बच्चे किसी और के पास जाने की बजाय आपके पास आएगा और उसे सही सलाह मिल पाएगी।

न जिम, न डाइट ऐसे बने फिट

वजन बढ़ना आज बड़ी समस्या बनती जा रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह बिगड़ती लाइफस्टाइल और गलत खानपान है। कई लोग वजन कम करने के लिए जिम में घंटों पसीना बहाया करते हैं,लेकिन महिलाओं के लिए यह पॉसिबल नहीं हो पाता है, कि वे जिम के लिए समय निकाल पाएं। ऐसे में वे घर पर ही रहकर वेट लॉस कर सकती हैं। आज हम उनके लिए कुछ ऐसे आसान एक्सरसाइज लेकर आए हैं, जिन्हें थोड़ा सा टाइम निकालकर रोजाना करने से वजन तेजी से कम कर सकती हैं। आइए जानते हैं...

ब्रिज पोज

ब्रिज पोज योग कमर और पीठ से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने में विशेष लाभदायक होता है। रोजाना इसे करने से पीठ, ग्लूट्स, पैरों और टखने मजबूत बनते हैं। इसके साथ ही छाती, हृदय और कूल्हे की मांसपेशियां स्वस्थ रहती है। वजन कम करने में इस योग का कोई जोड़ नहीं है। एक्सपर्ट्स भी महिलाओं के इस योग को हर दिन करने की सलाह देते हैं। इससे चर्बी तेजी से निकल जाती है और बॉडी फिट बनती है।

जॉगिंग एंड रनिंग

वजन कम करने में जॉगिंग और रनिंग बेहद ही बेहतरीन एक्सरसाइज होती है। इस वर्कआउट को अपनी डेली रूटीन में शामिल कर महिलाएं वजन कम कर सकती हैं। इस एक्सरसाइज से आंतों की चर्बी कम होती है और वजन तेजी से घटता है। इसे आसानी से कहीं भी कर सकती हैं। इससे हार्ट की बीमारियां भी दूर होती हैं।

स्क्वाट्स

पैरों को मजबूत बनाने के साथ ही स्क्वाट्स कमर और पेट के आसपास की चर्बी को भी कम करता है। इससे पीठ दर्द से भी आराम मिलता है। हालांकि इसे शुरू करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लेनी चाहिए। घुटने में दर्द रहता है तो स्क्वाट्स से बचना चाहिए। इस एक्सराइज से वजन तेजी से कम होता है। महिलाएं घर में रहकर इसे आसानी से कर

शादी से पहले पार्टनर को परखें

शादी होने से ज्यादा शादी टूटने की खबरें सामने आ रही हैं। फिल्म स्टार हो या फिर नॉर्मल लाइफ जी रहा कोई व्यक्ति, आजकल हर किसी के लिए शादी तोड़ना आम बात हो गई है। ऐसा सही जीवन साथी ना चुनने के कारण होता है। वैसे तो पैरेंट्स अपने बेटे या बेटी के लिए सही जीवनसाथी की तलाश में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते। मैरिड लाइफ में खुशहाली चाहते हैं तो आपको लाइफ पार्टनर का चुनाव करते समय कोई भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। इसी के साथ बेहतर जीवनसाथी के लिए आपको उसे सही से परखना चाहिए। यहां कुछ ऐसी आदतों के बारे में बता रहे हैं जो शादी से पहले आपको पार्टनर के अंदर परखनी चाहिए।

1) लाइफ पार्टनर हमेशा ऐसा चुनना चाहिए जो एक-दूसरे का सम्मान करे। इसी के साथ एक ऐसा पार्टनर चुनें जो रिश्तों की अहमियत को समझें। अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति को जीवन साथी चुन रहे हैं,जो हमेशा अपनी चलाना पसंद करता है। तो इससे आगे चलकर आपके लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है।

2)आप जिसे अपना लाइफ पार्टनर चुन रहे हैं उसके साथ शादी से पहले कुछ मुलाकातें करें। मिलने-जुलने पर आपको एक दूसरे के विचारों के बारे में पता चलेगा। लड़का-लड़की अगर आपके विचारों को मैच करे तो ही शादी के लिए हां करें।

3) लाइफ पार्टनर चुनते समय ध्यान देना चाहिए दोनों की दिलचस्पी एक दूसरे की पसंद-नापसंद में हो। ऐसा जरूरी नहीं जो आपको पसंद है वह आपके पार्टनर को भी पसंद हो, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए की जीवन साथी आपके पसंद के बीच अड़चन बने।

4) पार्टनर की एजुकेशन क्वालिफिकेशन और जॉब पर भी गौर करें। हमेशा ऐसा जीवनसाथी चुनें जो आपको समझने के साथ ही आपके काम को भी समझे और आगे बढ़ने के लिए सपोर्ट करे। अगर पार्टनर ऐसा है तो रिश्ते को हां कह सकते हैं।

प्रेगनेंसी में हाई हील्स सही या गलत?

हील्स पहनना हर लड़की को पसंद होता है। इससे हाइट अच्छी लगती है और लुक भी अच्छा दिखाई देता है। हालांकि, हर चीज को पहनने की एक उम्र और समय होता है। कुछ महिलाएं प्रेगनेंसी में हाई हील्स पहनती हैं,लेकिन क्या ऐसा करना चाहिए। चूंकि प्रेगनेंसी में काफी उतार-चढ़ाव आते हैं, ऐसे में हाई हील्स पहनना कितना सुरक्षित है, आइए एक्सपर्ट्स से समझते हैं..

प्रेगनेंसी में हील्स पहनना चाहिए या नहीं

एक्सपर्ट्स के अनुसार, प्रेगनेंसी की शुरुआत से लेकर बच्चे को फीड और कैरी करने तक हील्स पहनने से हर महिला को बचना चाहिए। इसके पीछे कोई साइंटिफिक कारण तो नहीं है,लेकिन चूंकि प्रेगनेंसी में किसी महिला का वजन काफी बढ़ता है, इसलिए इस दौरान हील्स पहनने से बैलेंस बिगड़ सकता है और इससे कई परेशानियां हो सकती हैं। कई महिलाओं में प्रेगनेंसी में पैरों में सूजन बढ़ जाती है, ऐसे में हील्स के कारण टाइटनेस और सूजन भी बढ़ सकती है। वहीं, ज्यादा देर तक हील्स पहनने से कमर में दर्द की समस्याएं भी हो सकती है।

प्रेगनेंसी में हील्स पहनने के ये भी नुकसान

प्रेगनेंसी के दौरान हील्स पहनने से पैरों में दर्द बढ़ सकता है। कुछ मामलों में दर्द घुटनों में हो सकता है। इसलिए प्रेगनेंसी में हील्स बेहद सावधानी पूर्वक पहननी चाहिए। वहीं, जब बच्चा छोटा होता है, तब हील्स के साथ बच्चे को गोद में लेकर चलने में समस्या आ सकती है। इसलिए जब तक बच्चा चलने नहीं लग जाता है, तब तक मां को हील्स पहनने से बचना चाहिए।

प्रेगनेंसी में किस तरह के फुटवियर पहनना चाहिए

डॉक्टर के मुताबिक, प्रेगनेंसी के शुरुआती तीन महीनों में महिलाओं को संभलकर चलना चाहिए, क्योंकि इस दौरान हल्के झटके या पैर स्लिप होने से मिसकैरिज का रिस्क हो सकता है। हालांकि, पहली तिमाही में हील्स पहनने से मना नहीं किया जाता है। ऑफिस जाने वाली महिलाएं हल्की हील्स पहन सकती हैं,लेकिन पूरी तरह से संभलकर चलना चाहिए, ताकि फिलसकर नहीं गिरना चाहिए। प्रेगनेंसी की दूसरी और तीसरी तिमाही में ज्यादा वजन बढ़ने से हील्स पहनने में समस्या हो सकती है, इसलिए इस दौरान हील्स की जगह आरामदायक फ्लैट स्लीपर, सैंडल या शूज पहनना बेहतर माना जाता है, क्योंकि तीसरी तिमाही में फिसलकर गिरने पर प्री मैच्योर डिलीवरी का जोखिम बन सकता है।

सर्दियों के मौसम में बच्चों में फ्लू के लक्षण

सर्दियों के मौसम में फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है और इसी वजह से सांसों से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ जाती हैं। जहां सर्दियों में ठंड लगने से जुकाम, खांसी और ब्रोंकाइटिस जैसी समस्याएं होती हैं वहीं, बच्चों में सीजनल फ्लू का रिस्क भी बहुत अधिक होता है। इन दिनों कोविड संक्रमण के मामले भी बढ़ रहे हैं ऐसे में कमजोर इम्यूनिटी के कारण बच्चों में संक्रमण का भी रिस्क अधिक है। बच्चों को इंफ्लुएंजा या फ्लू और बीमारियों के मौसम में हेल्दी और सेफ रखने के लिए कुछ उपाय अपनाने चाहिए। यहां पढ़ें बच्चों में फ्लू के लक्षण और उनसे आराम पाने के लिए कुछ घरेलू उपायों के बारे में

फ्लू के लक्षण :- बहती नाक, बंद नाक, गले में खराश और सूजन, तेज बुखार, उल्टी, सुस्ती और थकान, खांसी की समस्या, सांस लेने में तकलीफ

बचाव के उपाय :- अपने और बच्चे की साफ-सफाई का ध्यान रखें। बच्चे को बार-बार साबुन और पानी से हाथ धोने के लिए कहें। खांसते समय और छींकते हुए अपना मुंह और नाक कवर करें। बच्चों को छूने या उनकी देखभाल करते समय मास्क पहनें और हाथों में ग्लव्ज पहनें। अगर किसी बच्चे को संक्रमण हुआ हो तो उसे ठीक होने तक दूसरे लोगों से दूर रखें। बच्चों की सभी वैक्सीन्स लगाएं। यह उन्हें सेफ रहने में मदद करेगा। बच्चों को निमोनिया की वैक्सीनजरूर लगवाएं। सोशल डिस्टेंसिंग जैसे नियमों का पालन करें। बच्चों में किसी भी तरह के लक्षण दिखायी दें तो डॉक्टर से सम्पर्क जरूर करें।

ऐसे करें 'थायराइड' कंट्रोल

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमें बार-बार थकान महसूस होना आम बात हो जाती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि लगातार थकान और बिना किसी वजह के वजन बढ़ना कहीं गंभीर बीमारी का संकेत तो नहीं?अगर आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है और साथ ही आपको पहले के मुकाबले ज्यादा थकान महसूस हो रही है तो सावधान हो जाइए। ये थायराइड जैसी गंभीर समस्या के संकेत हो सकते हैं। थायराइड एक महत्वपूर्ण हार्मोनल ग्रंथि होती है और इसमें किसी भी प्रकार की समस्या से शरीर के कई फंक्शंस बुरी तरह प्रभावित होने लगते हैं।

थायराइड मुख्य रूप से दो प्रकार

हाइपरथायराइड और हाइपोथायराइड होते हैं। इन दोनों स्थितियों में थायराइड ग्रंथि उतना हार्मोन नहीं बना पाती जितना कि शरीर को चाहिए होता है,लेकिन कुछ डाइट में बदलाव और कुछ जड़ी-बूटियों की मदद से हम थायराइड की समस्या पर काबू पा सकते हैं। आइए जानते हैं,यहां कौन सी वे जड़ी-बूटियां हैं।

काला जीरा

क्या आप जानते हैं कि काला जीरा थायराइड संबंधी समस्याओं को दूर करने में मददगार साबित हो सकता है? काले जीरे में मौजूद तत्व थायराइड हार्मोन के स्तर को संतुलित करने में मदद करते हैं। एक स्टडी के अनुसार, 22 से 50 वर्ष की आयु के लोगों ने 8 हफ्तों तक काला जीरा लिया। इससे उनके थायराइड हार्मोन लेवल में सुधार हुआ। साथ ही शारीरिक वजन भी कम हुआ। इसलिए, अगर आपको थायराइड संबंधी समस्या है तो काले जीरे का उपयोग जरूर करें। चाय, सूप या सलाद के रूप में लें। यह आपको हार्मोन संतुलन बनाए रखने में मदद करेगा।

तुलसी

तुलसी में कई गुण होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हो सकते हैं। इसमें एंटी-फंगल और एंटी-इन्फ़्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। ये गुण थायरॉयड समस्याओं को कम करने में मदद कर सकते हैं।तुलसी की पत्तियों को पानी में उबालकर पीने से या चबाकर खाने से थायरॉयड संबंधी समस्याओं में राहत मिल सकती है।

अश्वगंधा

अश्वगंधा में कई ऐसे गुण पाए जाते हैं जो हमारे हार्मोन्स के संतुलन में सुधार कर सकते हैं। ये हार्मोन्स हमारे शरीर के कई कार्यों को नियंत्रित करते हैं। अश्वगंधा के चूर्ण को पानी में उबालकर पीने से हार्मोन संतुलन में सुधार हो सकता है। अश्वगंधा में एंटीऑक्सीडेंट गुण भी पाए जाते हैं जो शरीर के लिए हानिकारक ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद करते हैं।

मूली खाने के फायदे

सर्दियों के मौसम में मूली खाना सेहत के लिए फायदेमंद है। मूली से कई तरह की चीजें बनाई जाती है। खाने के साथ सलाद के तौर पर भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। मूली में विटामिन सी, फाइबर और कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हो सकते हैं। यह बीमारियों से बचाने के साथ सेहत को बेहतर बनाए रखने में मददगार होता है।

1. वेट लॉस
मूली खाने का सबसे बड़ा फायदा है कि इससे वजन तेजी से कम हो सकता है। दरअसल, मूली में लो कैलोरी और हाई फाइबर पाया जाता है, जो कमर की चर्बी को कम करने में मदद कर सकता है। फाइबर के सेवन से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। मूली खाने से पाचन भी अच्छा बनता है।

2. कब्ज भगाएं
मूली में फाइबर ज्यादा मात्रा में पाया जाता है, जो पाचन को सुधारने में मदद करता है। इससे कब्ज की छुट्टी हो सकती है। फाइबर सेहतमंद डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए भी अहम होता है। यह स्टूल को नरम बनाकर कब्ज से राहत दिलाता है। मूली के पत्ते का साग डाइजेशन को दुरुस्त रखता है।

3. डायबिटीज कंट्रोल करें
फाइबर के सेवन इंसुलिन का लेवल बैलेंड होता है। जिससे डायबिटीज कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है। चूंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एनर्जी मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने की शक्ति होती है। फाइबर युक्त आहार खाने की सलाह दी जाती है।

4. इम्यूनिटी बेहतर बनाएं
मौसम में बदलाव का सबसे ज्यादा असर इम्यूनिटी पर पड़ता है। इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में मूली काफी फायदेमंद होता है। इसके रोजाना सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

बच्चों के भविष्य के लिए "जैन डिजिटल पाठशाला" सर्वोत्तम साधन

बच्चों के जीवन निर्माण के लिए "जैन डिजिटल पाठशाला" सर्वोत्तम साधन है। सम्यक ज्ञान की पर्व समान पाठशाला से जुड़े बच्चों का भविष्य निश्चित रूप से उज्ज्वल होता है।" इस राष्ट्रव्यापी धार्मिक परीक्षा के अवसर पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष जवाहरलाल मोतीलाल शाह, अध्यक्ष सुरेश देवचंद संघवी, उपाध्यक्ष संजयभाई जीवनलाल शाह, कोषाध्यक्ष अशोक नरसिंह चरला तथा महिला विभाग की उपाध्यक्ष अल्पाबेन और संजयभाई शाह का विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जैन ट्रस्टी, पाठशाला के विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में जैन समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे। श्री जैन धार्मिक शिक्षा संघ द्वारा आयोजित वार्षिक धार्मिक परीक्षा में इस वर्ष मुंबई सहित पूरे भारत की पाठशालाओं के 27,000 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह रहा कि यह परीक्षा पहली बार पूरे भारत में एक ही दिन, एक ही समय पर, 118 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर कक्षा 1 से 36 तक आयोजित की गई। यह आयोजन जैन धार्मिक शिक्षा के इतिहास में एक गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ है। इस शुभ अवसर का आरंभ संस्था के उपाध्यक्ष संजयभाई जीवनलाल शाह, महिला विभाग की उपाध्यक्ष अल्पाबेन संजयभाई शाह तथा कोषाध्यक्ष-ट्रस्टी अशोक नरसिंह चरला एवं जवाहरलाल मोतीलाल शाह के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। शक्तितला स्कूल में आयोजित परीक्षा के दौरान संस्था के पदाधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन किया। पदाधिकारियों ने कहा, "पाठशाला ही जैन शासन का प्राण है।" पाठशाला में संस्कारित बच्चे आगे चलकर साधु-साध्वी, श्रावक-श्राविका, जैन ट्रस्टी, स्वयंसेवक एवं जैन रक्षक बनकर शासन को सुदृढ़ करते हैं। जिनागम अर्थात् श्रुतज्ञान है, और यह श्रुतज्ञान पाठशाला से ही प्राप्त होता है। डिजिटल युग में बच्चों को पाठशाला से जोड़ना एक चुनौती बन गया है। इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए संघ द्वारा "जैन डिजिटल पाठशाला" कार्यक्रम आरंभ किया गया है, जिसके माध्यम से 5 से 14 वर्ष के बच्चों को आधुनिक तकनीक के सहारे धार्मिक शिक्षा प्रदान की जा रही है। वर्तमान में संघ के मार्गदर्शन में मुंबई में 655 से अधिक पाठशालाओं में 1,400 से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाएँ सेवा दे रही हैं तथा 75,000 से अधिक बच्चे नियमित रूप से धार्मिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर उपाध्यक्ष संजयभाई जीवनलाल शाह ने कहा, "बच्चों में धार्मिक संस्कारों का रोपण करना संस्था का मुख्य उद्देश्य है, और इसकी शुरुआत पाठशाला से ही होती है। जैन धर्म के शाश्वत सिद्धांत—अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांतवाद—जीवन जीने की श्रेष्ठ पद्धति सिखाते हैं।

खाना खजाना

बेसन की रोटी

सर्दियों के मौसम में बेसन की रोटी एक ऐसा ही स्वादिष्ट व्यंजन है जो सर्दियों में बहुत फायदेमंद होती है। बेसन में पाए जाने वाले पोषक तत्व विटामिन, प्रोटीन और मिनरल्स हमारी इम्यूनिटी को मजबूत करते हैं। साथ ही ये हमारे शरीर को अंदर से गर्म रखकर सर्दी-जुकाम जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद करते हैं। यहां जानिए बेसन की स्वादिष्ट रोटी को कैसे बनाया जा सकता है। इसके और भी फायदे।

सामग्री:
1 कप बेसन का आटा, 1 कप गेहूं का आटा, 1 चुटकी हींग, 14 कप बारीक कटे प्याज, 1 हरी मिर्च कटी हुई, हरा धनिया कटा हुआ, स्वादानुसार नमक, जरूरत के अनुसार पानी

बनाने की विधि:
सबसे पहले बेसन में गेहूं का आटा मिला लें। फिर इसमें नमक, हींग, हरी मिर्च, कटा हुआ प्याज और धनिया मिलाएं। अब पानी के साथ इसे अच्छी तरह गूथ लें और थोड़ी देर के लिए फ्रिज में रख दें। अब इससे लोई बनाकर बेल लें और तवे पर सेक लें। रोटी सेंकने के बाद ऊपर घी लगाएं और चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें। या आप इसे सरसों के साग के साथ खा सकते हैं।

खबर-खास

सर्चिंग पर गए जवान की मोटरसाइकल दुर्घटना में मौत

गरियाबंद (समय दर्शन)। मंगलवार की सुबह पुलिस विभाग के लिए काफी दुख भरा रहा,जहां सर्चिंग पर गए एक जवान की मोटरसाइकल दुर्घटना मौत हो गई। घटना में मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार के सुबह सीआरपीएफ65 बटालियन के जवान सर्चिंग पर गए हुए थे उसी दौरान राजस्थान निवासी 57 वर्षीय जवान भंवरलाल मिणा की मोटरसाइकल छिन्दंला,आमामोरा,ओढ के बीच वे जिस मोटरसाइकिल से जा रहे थे वो अनियंत्रित होकर गहरे खाई में गिर गई,जिससे उक्त जवान को गहरी चोट लगी जिससे उनकी मौत हो गई ।वही सर्चिंग पर निकले अन्य जवानों के द्वारा भंवर लाल मीणा को जिला अस्पताल लाया गया और मृतक का पोस्मार्टम कराया गया ।इस घटना को लेकर पुलिस विभाग में शोक का लहर निर्मात हो गया है।

थाना शोभा अंतर्गत ग्राम रक्शापथरा के जंगल क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा डम्प किये 1 नग एके 47 एवं 12 बोर हथियार बरामद

गरियाबंद (समय दर्शन)। डीजीएन डिवीजन द्वारा डम्प किये गये 1 नग एके 47 एवं 1 नग 12 बोर हथियार को बरामद किया गया ।घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार 19 जनवरी को गरियाबंद में आत्मसमर्पित माओवादियों के अनुसार डीजीएन डिवीजन द्वारा हथियार डम्प किये जाने की जानकारी व निशानदेही पर गरियाबंद से जिला पुलिस बल आप्स टीम ई-30 को 20 जनवरी को रवाना किया गया था। ई-30 टीम एवं बीडीएस की संयुक्त टीम द्वारा थाना शोभा के ग्राम रक्शापथरा जंगल क्षेत्र में सूचना की निशानदेही जगह का सर्च करने पर टेकरी के उपर चट्टान के किनारे नक्सलियों द्वारा डम्प कर रखे 1 नग एके 47, मय 1 नग खाली मैग्जीन एवं 1 नग 12 बोर हथियार को बरामद करने में सफलता प्राप्त हुई है।

पोषण भी पढ़ाई भी प्रशिक्षण हुआ प्रारंभ

पाटन (समय दर्शन)। महिला बाल विकास विभाग, परियोजना पाटन में सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ हेतु आज दिनांक 19/1/26 से 24/1/25 तक चार बैच में -पोषण भी पढ़ाई भी प्रशिक्षण आरंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती निशा सोनी उपाध्यक्ष नगर पंचायत पाटन की अध्यक्षता में तथा श्री लालेश्वर साहू अध्यक्ष साहू समाज पाटन ,श्रीमती अन्नपूर्णा जी पार्षद नगर पंचायत पाटन के आतिथ्य में हुआ, सरस्वती वंदना के साथ प्रशिक्षण आरंभ किया गया। उक्त प्रशिक्षण का उद्देश्य 0 माह से 3 वर्ष के शिशुओं में प्रारंभिक उद्दीपन एवं 3 से 6 वर्ष के बच्चों को शाला पूर्व अनौपचारिक शिक्षा प्रदान करना एवं स्वास्थ्य पोषण के साथ खेल खेल मे बेहतर शिक्षा देना है । इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण के द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के क्षमता वर्धन किया जाएगा,जिससे 0 से 6 वर्ष के बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए मजबूत नींव का निर्माण किया जा सके। इस कार्यक्रम में परियोजना पाटन की परियोजना अधिकारी श्रीमती छाया वर्मा, पर्यवेक्षक नम्रता तिवारी, तिलोत्तमा मोटघरे, ममता साहू, उर्वशी देशलहरे, सुनीता पुसम, समता सिंग, मेघा मोहरिल, झरना दास, कंचन राठी और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

बेमेतरा जिले में 26 को शुष्क दिवस घोषित

बेमेतरा (समय दर्शन)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा 26 जनवरी 2026 (सोमवार) को बेमेतरा जिले में शुष्क दिवस घोषित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिले में संचालित समस्त देशी एवं विदेशी मदिरा दुकानें एवं उनसे संलग्न अहाते पूर्णतः बंद रहेंगे। आदेशानुसार जिले की समस्त देशी/विदेशी मदिरा दुकानें-एफएल.-1 (घघ), सी.एस.-2 (घघ), सी.एस.-2 (घघ-कम्पोजिट) के साथ-साथ मद्य भण्डारण भाण्डागार तथा मदिरा दुकानों से संलग्न अहाता सी.एस.-2 (ग-अहाता), सी.एस.-2 (ग-कम्पोजिट अहाता) एवं एफएल.-1 (ख-अहाता) को भी 26 जनवरी को पूर्णतः बंद रखा जाएगा।

12 दुकानों पर लगा सील, बकाया किराया नहीं जमा करना पड़ा भारी

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत नगर निगम दुर्ग ने गंज पारा स्टेट बैंक के पीछे आबंटित दुकानदारों द्वारा नियमित किराया जमा नही किया जा रहा है, निगम के बाजार विभाग अमला द्वारा 12 दुकानों को सील कर दिया है। यह कार्रवाई आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर निगम प्रभारी बाजार अधिकारी अभ्यूदय मिश्रा,सहायक शशिकांत यादव, सहायक ईश्वर वर्मा के नेतृत्व में की गई। इस दौरान बाजार विभाग एवं राजस्व विभाग टीम भी मौजूद रही।

बकाया किराया जमा न होने पर हुई कार्रवाई नगर निगम के अनुसार,गंजपारा स्टेट बैंक के पीछे आबंटित 12 दुकानों को लीज पर आवंटित किया गया था और प्रत्येक दुकान पर प्रतिमाह निर्धारित किराया जमा करने का प्रावधान था। बाद में किराए में वृद्धि की सूचना भेजकर दुकानदारों को नोटिस जारी किया गया, लेकिन अधिकांश दुकानदार समय पर भुगतान नहीं कर सके।

सील की गई 12 दुकानों पर निगम का किराया बकाया था।द अनोटिस अवधि पूरी होने के बाद दुकानों का आवंटन निरस्त कर दुकानों को सील किया गया।

मोहम्मद हसन खान / मतिक खान स्टेट बैंक के पीछे - 32,कु. पूजा सेन / शिवनन्दन सेन गंजपारा , 56,शंकर शर्मा /शारदा शर्मा - 57,मोहम्मद जाकिर /मोहम्मद बशीर - 66,नेहा केसरवानी / रवि केसरवानी - 71,प्रहलाद लालवानी / गोविंद लाल - 72,अय्युब गहलोत / सिराजुद्दीन- 79,श्रीमती शीतल जांगीड़ /महेन्द्र जांगीड़ - 80,मुनव्वर अली / मुकद्दर अली - 83,जाकीर हुसैन / मुकद्दर अली - 84,नागेश्वर सोनकर - 89,गिरधारी देवांगन / खोदूराम - 93 बाजार विभाग द्वारा बताया कि अलग-अलग दुकानों पर अलग-अलग बकाया है। कई दुकानदारों को समय रहते नोटिस भेजे गए, लेकिन भुगतान नहीं होने के कारण दुकानों को सील करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा।

गरियाबंद पुलिस एवं आरटीओ विभाग द्वारा संयुक्त रूप से लर्निंग लायसेंस बनाए जाने हेतु शिविर का आयोजन

शिविर के पहले दिन 45 लोगो का लर्निंग लायसेंस बनाया गया

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत 19 जनवरी को पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के दिशा-निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धिरेन्द्र पटेल के मार्गदर्शन में एसडीओपी ओम प्रकाश कुजुर व लितेश सिंह उप पुलिस अधीक्षक नोडल यातायात एवं यातायात टीम जिला परिवाहन अधिकारी रविन्द्र ठाकुर के द्वारा थाना मैनपुर क्षेत्र में जिला परिवहन विभाग से समन्वय कर सड़क सुरक्षा कार्यक्रम व लर्निंग लायसेंसे शिविर का आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय आयोजित शिविर के पहले दिन 45 लोगो का लर्निंग लायसेंस बनाया गया।

शिविर में लर्निंग लाइसेंस के साथ-साथ वाहन चालको को सड़कों पर आवश्यक रूप से यातायात नियमों के पालन करने के संबंध में जानकारी देकर जागरूक किया गया ।साथ ही परिवहन पुलिस विभाग से यातायात प्रभारी सहायक पुलिस निरीक्षक रामाधार मरकाम,प्र.आर.धर्मेन्द्र ठाकुर, आरक्षक विरेन्द्र पटेल,अनिल पाण्डेय,जिला परिवहन विभाग से टीम उपस्थित रहे।

तेलघानी बोर्ड की पहल से प्रदेश में बढ़ेंगे रोजगार के अवसर, स्व-सहायता समूह होंगे आत्मनिर्भर-जितेंद्र कुमार साहू

तेलघानी बोर्ड से प्रदेश में कृषि एवं रोजगार को नया आयाम - मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की प्रोत्साहन नीति से किसान, महिला समूह और युवा लाभान्वित होंगे

बेमेतरा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री जितेंद्र कुमार साहू की अध्यक्षता में आयोजित एक महत्वपूर्ण विभागीय समीक्षा बैठक में प्रदेश की ग्रामीण आजीविका, फसल विविधीकरण और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती प्रेमलता पदमाकर, कृषि, उद्यानिकी, उद्योग, आदिवासी विकास, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास (एन.आर.एल.एम) विभाग और जिला अभिहित अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा किसानों को धान के बजाय तिलहन एवं अन्य विविध फसलें उगाने पर प्रोत्साहन राशि का विस्तार किया गया है, जिससे तिलहन उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा तथा कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इसके तहत पंजीकृत किसानों को पंजीकृत धान के रकबे को तिलहन फसल में बदलने पर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, ताकि किसान धान की परंपरागत खेती के साथ फसल विविधीकरण को अपनाकर आय बढ़ा सकें। वर्तमान में राज्य सरकार ने कृषि कल्याण के मद में यह नीति अमल में लाई है, जिससे किसानों की आमदनी और खाद्यान्न के साथ तेल उत्पादन में भी सुधार संभव हो सकेगा।

तेलघानी यूनिट से महिला स्व-सहायता समूहों को मिलेगा आर्थिक सशक्तिकरण

अध्यक्ष श्री साहू ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि तेलघानी बोर्ड की महत्वपूर्ण पहल के अन्तर्गत स्व-सहायता महिला समूहों को तेल मिल इकाइयाँ स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे स्थानीय स्तर पर तेल का उत्पादन होगा और ग्रामीण महिला समुदाय की आर्थिकता में वृद्धि होगी। यह पहल प्रदेश भर में स्वावलंबी महिला उद्यमियों को सशक्त बनाएगी तथा पारंपरिक आजीविका को आधुनिक स्वरूप देगी। एस.एच.जी. समूहों को प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता, वित्तीय सहायता और विपणन नेटवर्क के माध्यम से मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे उत्पादित तेल का विपणन स्थानीय एवं राज्य स्तर पर संभव हो सके ।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि युवाओं को उद्योग और तेल प्रसंस्करण से जुड़े कौशल में प्रशिक्षित कर स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी को कम करने के साथ ही युवाओं को अपनी भूमि और संसाधनों से जुड़कर काम करने की प्रेरणा मिलेगी।

कृषि एवं उद्यानिकी विभाग को निर्देश दिए गए कि तिलहन फसलों-जैसे सरसों, तिल, मूंगफली आदिकृके उत्पादन को बढ़ाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाए, ताकि कच्चे माल की उपलब्धता बनी रहे।

सामाजिक समरसता और लचीलापन मनवा कुर्मी समाज की पहचान - विजय बघेल

डॉ एस एन मढ़रिया , पर्यावरण कार्यकर्ता रोमशंकर सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले हुए सम्मानित

दुर्ग (समय दर्शन)। मुख्य अतिथि विजय बघेल सांसद दुर्ग ने मनवा कुर्मी क्षत्रीय समाज में सामाजिक समरसता और लचीलापन मनवा कुर्मी समाज की पहचान है उक्ताशय के उदगार सांसद विजय बघेल ने मनवा कुर्मी क्षत्रीय समाज नगर इकाई दुर्ग के वार्षिक अधिवेशन शंकर नगर स्थित छात्रावास भवन में मुख्य अतिथि के आसंदी से व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि इसी के कारण समाज में कई कई रूढ़िवादी परंपराएं हटाई जा सकी है, उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में समाज के लोगों के योगदान को भी इस मौके पर याद किया साथ ही नगर इकाई की मांग पर उन्होंने डोमशेड निर्माण कार्य हेतु यथा संभव राशि की अनुशंसा का आश्वासन दिया। विशेष अतिथि डॉ एस एन मढ़रिया न्यूरोसर्जन ने अपने चिकित्सकीय जीवन को बड़ों के आशीर्वाद और ईश्वर की कृपा का प्रतिफल बताया। उन्होंने दुर्ग शहर में समाज की एक जुटता की प्रशंसा की ।कार्यक्रम के अध्यक्ष ईश्वरी वर्मा राज प्रधान दुर्ग ने खचाखच भरे हॉल को देख कर इकाई की सक्रियता की प्रशंसा की, उन्होंने समाज के ऐसे परिवारों को जो सामाजिक गतिविधियों से दूर रहते हैं उन्हें अभियान चला कर सक्रिय करने तथा वार्षिक शुल्क जमा कराने पर बल दिया। नगर इकाई अध्यक्ष रोशन वर्मा ने स्वागत भाषण व वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया वहीं छात्रावास समिति का प्रतिवेदन धरम वर्मा ने प्रस्तुत किया एवं कोषाध्यक्ष ने आय व्यय की जानकारी दी इसके पहले कार्यक्रम क प्रथम सत्र में बच्चो तथा महिलाओं द्वारा विभिन्न प्रस्तुतियों दी एवं खेलकूद प्रतियोगिता हुआ। समाज द्वारा वर्ष 2026 का मनवा श्री शिखर सम्मान ग्राम लिमतरा निवासी डॉ सत्य नारायण मढरिया को प्रदान किया गया। डॉ मढरिया छत्तीसगढ़ के प्रथम पंक्ति के न्यूरोसर्जन हैं। वे अब तक 15000 से अधिक न्यूरोसर्जरी कर चुके हैं साथ ही इंडियन मेडिकल काउंसिल के सदस्य भी हैं वहीं विशिष्ट सम्मान अन्तर्गत पर्यावरण संरक्षण के लिए पर्यावरण कार्यकर्ता व पत्रकार रोमशंकर यादव, निरंतर समाज सेवा हेतु श्रीमती अन्नपूर्णा मढ़रिया, पेंशनरों के हित में कार्य करने के लिए भूपेंद्र कुमार वर्मा तथा एससी, एसटी,ओबीसी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष कौशल वर्मा को इन वर्गों के बीच कार्य करने के लिए विशेष सम्मान दिया गया। साथ पीएससी 2025 में चयनित प्रतिभाओं स्वप्निल वर्मा, सुनील कुमार कश्यप, टेसूकांत वर्मा,सागर वर्मा, साक्षी वर्मा तथा प्रभा कश्यप का शाल श्रीफल तथा स्मृतिचिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

समाज द्वारा संचालित छात्रावास भवन में रहकर पढ़ाई पूरी कर शासकीय सेवा से जुड़े युवकों ,दुर्ग शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर जाकर गतिविधियों की जानकारी देने तथा सदस्यता अभियान पूरी करने योगदान देने वाले क्षेत्र प्रधानों का भी सम्मान किया गया।

400 किमी का सफर तय कर उदंती-सीतानदी पहुँचा बीमार गिद्ध, वन विभाग ने किया सफल रेस्क्यू

गरियाबंद (समय दर्शन)। उदंती-सीतानदी टाइगर रिज़र्व में वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक और सराहनीय सफलता सामने आई है। महाराष्ट्र के ताडोबा अंधारी टाइगर रिज़र्व से लगभग 400 किलोमीटर की दूरी तय कर यहां पहुंचे एक बीमार गिद्ध का उदंती सीतानदी टाइगर रिज़र्व की टीम द्वारा सफल रेस्क्यू किया गया है। इससे पहले ओडिशा से आए बीमार हाथियों के इलाज के बाद अब महाराष्ट्र से आए बीमार गिद्ध का सुरक्षित रेस्क्यू और उपचार की पहल वन विभाग की सतर्कता को दर्शाती है।

मंगलवार सुबह करीब 11 बजे इन्दागांव (बफर) परिक्षेत्र के काण्डसर बीट में नियमित फुट पेट्रोलिंग के दौरान पेट्रोलिंग श्रमिक राधेश्याम यादव ने एक गिद्ध को बीमार अवस्था में देखा ।गिद्ध उड़ने में असमर्थ था और गर्दन झुकाकर जमीन पर बैठा हुआ था ।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राधेश्याम यादव ने तत्काल परिक्षेत्र अधिकारी सुशील कुमार सागर को सूचना दी,जिसके बाद मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया ।रेस्क्यू के दौरान पाया गया कि यह वाइट रंप्ड वल्चर है, जिसकी पीठ पर माइक्रो ट्रांसमीटर और जीपीएस लगा हुआ था ।जांच में यह स्पष्ट हुआ कि गिद्ध ने महाराष्ट्र के ताडोबा अंधारी टाइगर रिज़र्व से उड़ान भरी थी। प्रारंभिक तौर पर उसकी तबीयत खराब होने का कारण डी-हाइड्रेशन या बीमारी माना जा रहा है। बिलासपुर के वल्चर एक्सपर्ट अभिजीत शर्मा ने टेलीफोनिक कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उदंतीसीतानदी टाइगर रिज़र्व की टीम को सुरक्षित रेस्क्यू के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया ।गिद्ध को मौके पर पानी और आर्टिफिशियल फीड उपलब्ध कराया गया, जिसके बाद उसे घने जंगल क्षेत्र से सुरक्षित बाहर निकाला गया। बीट गार्ड रामकृष्ण साहू के माध्यम से गिद्ध को गरियाबंद लाया गया।

जंगल सफारी की डॉक्टर टीम से डॉ.जडिया एवं सुश्री ऋचा गरियाबंद पहुंचीं,जहां गिद्ध को रेस्क्यू केज में शिफ्ट किया गया। इसके पश्चात उसे उपचार के लिए नया रायपुर स्थित जंगल सफारी ले जाया जा रहा है। उपचार पूर्ण होने के बाद गिद्ध को पुनः सुरक्षित प्राकृतिक रहवास में छोड़ा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि उदंती-सीतानदी टाइगर रिज़र्व का लगभग 70 प्रतिशत क्षेत्र पहाड़ी वनों से आच्छादित है ।ओढ़ङ्कआमामोरा की पहाड़ियों में पूर्व में भी गिद्धों की उपस्थिति दर्ज की जा चुकी है। इस पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन में इन्दागांव परिक्षेत्र की टीम एवं जंगल सफारी की डॉक्टर टीम का अहम योगदान रहा ।यह रेस्क्यू अभियान माननीय वन मंत्री केदार कश्यप,पीसीसीएफवाइल्डलाइफअरुण पाण्डेय तथा उदंतीङ्कसीतानदी टाइगर रिज़र्व की फील्ड डायरेक्टर सतोविशा समाजदार, उपनिदेशक एवं डीएफओ जंगल सफारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

जनदर्शन के आवेदनों को संवेदनशीलता और गंभीरता से निराकरण करने अधिकारियों को निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़, (समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में मंगलवार की शाम को जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में जनशिकायत पोर्टल, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन से प्राप्त आवेदनों के निराकरण का समीक्षा किया और कहा कि, सभी अधिकारी संवेदनशीलता और गंभीरता से आवेदन का निराकरण करें। उन्होंने जल संसाधन विभाग में भू अर्जन के प्रकरणों में राज्य शासन को भेजे गए पत्र की सूचना आदि हितग्राहियों को भी उपलब्ध कराये ताकि उन्हें शासन के कार्य में पारदर्शिता का विश्वास बना रहे। कलेक्टर ने कहा कि, जिले में किसी भी अधिकारी कर्मचारी से जुड़े अनुकम्पा नियुक्ति, पदोन्नति, समयमान वेतनमान का प्रकरण हो, वे गठित कमेटी के माध्यम से निराकरण करेंगे। कलेक्टर ने श्मशान घाट, खेल मैदान जैसे शासकीय भूमि पर अवैध कब्ज़ा हटाने के निर्देश दिए, वहीं ग्राम भेड़वन के आयुर्वेद हॉस्पिटल में पंचकर्म के सेटअप निर्माण प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। डॉ कन्नौजे ने ईऑफिस में सभी विभागों को निरंतर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने ब्लॉक में आयोजित विभिन्न बैठकों के पालन प्रतिवेदन भेजने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सयुंक्त खाता प्रकरण के निराकरण के लिए सहकारिता विभाग को निर्देश दिए।

कलेक्टर ने धान खरीदी के उड़न दस्ता टीम के सभी ज़ोनल जिला स्तरीय अधिकारियों को पूछा कि, कहाँ कहाँ किस किस धान खरीदी केंद्र का अवलोकन किये, वहां नोडल अधिकारी पटवारी उपस्थित थे या नहीं, कितने अपात्र धान को रिजेक्ट किये, कितने सही पाए इत्यादि बिन्दुओ पर आगामी धान खरीदी के अंतिम दिनों तक जांच करें। धान उपार्जन केन्द्र में जाकर स्टॉक का मिलान करें। सभी क्षेत्रों में अवैध धान भंडारण, परिवहन करने वाले कोचियों पर कार्यवाही करें। आगामी 26 जनवरी समारोह की तैयारी, पीएम आवास निर्माण, आयुष्मान कार्ड, आयुष्मान वय वंदना, जिला अस्पताल निर्माण, संयुक्त जिला कार्यालय, स्कूलों में जाति प्रमाण पत्र, पीएमश्री स्कूल निर्माण, अपार आईडी, सरस्वती सायकल वितरण, आदिवासी विकास विभाग अंतर्गत आश्रम छात्रावास के बालक बालिकाओं के हेल्थ चेकअप, एनीमिया जांच, विभिन्न विकास प्राधिकरणों के प्रगति कार्यों, आंगनबाड़ी केन्द्र निर्माण, पीएम किसान सम्मान निधि राजस्व कार्य नक्शा बंटाकन, फौती नामांतरण, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लाभार्थी की संख्या बढ़ाने, पेंशनर रिपोर्ट, पेंशनरों के बैंक खाता से मोबाइल नंबर सीडिंग आदि के कार्यों का समीक्षा कर कलेक्टर ने अधिकारियों को फील्ड में जाकर कार्य करने के निर्देश दिए।

गिरीश शर्मा शिक्षक साहित्य साधक सम्मान से सम्मानित

राजिम में संस्कृति मंत्री के मुख्य आतिथ्य में हुआ सम्मान समारोह

गरियाबंद (समय दर्शन)। शिक्षक साहित्य परिषद छत्तीसगढ़ के तत्वावधान आज सम्मान समारोह का आयोजन प्रेमरत्न मैरिज पैलेस राजिम किया गया,इस अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला खट्टी में पदस्थ सहायक शिक्षक गिरीश शर्मा को साहित्य शिक्षक साधक सम्मान से सम्मानित किया गया. समारोह के मुख्य अतिथि संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल थे,कार्यक्रम की अध्यक्षता चंदू लाल साहू अध्यक्ष राज्य भंडार गृह निगम ने किया एवं विशेष अतिथि के रूप में रोहित साहू विधायक राजिम विधानसभा,संतोष उपाध्याय पूर्व विधायक,महेश यादव अध्यक्ष नगर पालिका राजिम,विभा अवस्थी प्रदेशाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा एवं वरिष्ठ साहित्यकार विनय कुमार पाठक,मीर अली मीर उपस्थित थे।

राजिम के प्रेम रतन मैरिज पैलेस में शिक्षक साहित्य परिषद छत्तीसगढ़ द्वारा किए गए इस आयोजन में छत्तीसगढ़ सहित उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र,केरल,गुजरात,पश्चिम बंगाल,तमिलनाडु, उत्तराखंड आदि राज्य के साहित्य कार सम्मिलित हुए जिन्हें समारोह में सम्मानित किया गया साथ ही इस अवसर पर गिरीश शर्मा सहित 31 शिक्षको को शिक्षक साहित्य साधक सम्मान से सम्मानित किया गया ।आयोजित समारोह में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजिम विशाल महाराणा,जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर,तहसीलदार मयंक अग्रवाल,सहायक सांख्यिकिय अधिकारी श्याम चंद्राकर,ललित मिश्र,विवेक शर्मा,मुन्ना लाल देवदास,सागर शर्मा,पुरन लाल साहू,अनिल अवस्थी,ज्ञानेन्द्र शर्मा आदि उपस्थित थे ।इससे पूर्व भी गिरीश शर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हेतु मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण,कोविड काल में आनलाईन क्लास एवं मोहल्ला क्लास के लिए राज्य स्तरीय सम्मान,जिला स्तरीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान,इंदौर में भारत श्री सम्मान, अयोध्या में स्वदेश गौरव सम्मान,भोपाल में भारत भूषण सम्मान,मंच संचालन के लिए गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित किया जा चुका है ।शिक्षक साहित्य साधक सम्मान से सम्मानित किये जाने पर गिरीश शर्मा को जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर,जिला मिशन समन्वयक शिवेश शुक्ला,सहायक परियोजना अधिकारी बुद्ध विलास सिंह,सहायक सांख्यिकिय अधिकारी श्याम चंद्राकर,कृपाल पैकरा,मनोज केला,विकासखंड शिक्षा अधिकारी गजेंद्र ध्रुव, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक छन्नूलाल सिन्हा, संकुल समन्वयक दल प्रसाद साहू,संजीव साहू, परमेश्वर,निर्मलकर,नितिन बखारिया,होरी लाल साहू,देवेन्द्र पांडे,दीपक सरवैया आदि बधाइ दी।

खबर-खास

महिलाओं ने संभाली गांव की सफाई का कमान, हर माह करते है गलियों की सफाई, सरपंच ने की सराहना

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत अचानकपुर में महिलाओं ने गांव की गलियों चौक चौराहों की सफाई का जिम्मा उठा लिया है। पिछले लगभग 1 साल से प्रति माह गांव के सार्वजनिक स्थलों की सफाई करते हैं। यह सफाई कार्य स्व सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं के द्वारा श्रमदान के रूप में किया जाता है। बता दे की ग्राम के सरपंच देवानंद साहू ने महिला समूह के इस कार्य की सराहना भी की है गांव के स्वच्छता के लिए यह कार्य काफी अनुकरणीय है। उन्होंने अपील भी किया है कि सभी नागरिक अपने घरों एवं घर के आसपास की साफसफाई व्यवस्था बनाए रखें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिला सफाई के प्रति काफी सजग है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्व सहायता समूह की महिलाएं मौजूद रही।

धर्मापुर आश्रम के बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो : क्रिष्टोफर पॉल

राजनांदगांव (समय दर्शन)। धर्मांतरण और मतांतरण को लेकर बीते एक सप्ताह से जिले में मचे बवाल के बीच अब नाबालिग बच्चों की पढ़ाई का मामला सामने आया है। धर्मापुर में विदेशी फंड से बनाए गए चर्च और आश्रम से रेस्क्यू किए गए बच्चों की शिक्षा बाधित होने पर छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसिएशन ने चिंता जताई है।

नेहरू नगर निवासी डेविड चाको द्वारा धर्मापुर में बनाए गए चर्च व आश्रम में कांकेर जिले से लाए गए करीब एक दर्जन नाबालिग आदिवासी बच्चों को पिछले तीन वर्षों से गैरकानूनी रूप से रखे जाने की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए बच्चों को रेस्क्यू कर चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) को सौंपा, जहां से उन्हें उनके माता-पिता के हवाले कर दिया गया। छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिस्टोफर पॉल ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव को पत्र लिखकर कहा कि ये बच्चे धर्मापुर क्षेत्र के आसपास के स्कूलों में पढ़ाई कर रहे थे। अब उन्हें वापस कांकेर भेज दिए जाने से उनकी पढ़ाई पूरी तरह बाधित हो गई है और उनका पूरा शैक्षणिक वर्ष खराब होने की आशंका है। पॉल ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें पुन: यहां लाने की व्यवस्था की जाए या कम से कम इस सत्र में वार्षिक परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया जाए, ताकि बच्चों का एक साल बर्बाद न हो। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में बच्चों की शिक्षा से समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

एसआईआर में दावा- आपत्ति की अंतिम तिथि 22 जनवरी

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। एसआईआर में दावा आपत्ति की अंतिम तिथि 22 जनवरी 2026 है। इस दौरान नोटिस प्राप्त मतदाता अपने बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) से सम्पर्क कर अपने समस्या का निराकरण कर सकते हैं। पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने तथा अपात्र मतदाताओं के नाम काटने के लिए आवेदन किया जा सकता है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी को किया जाएगा। जो युवा वोटर 1 जनवरी 2026 को या उससे पहले 18 साल के हो गए हैं या 1 अक्टूबर 2026 तक हो जाएंगे, उन्हें फार्म-6 में घोषणा पत्र के साथ आवेदन कर सकते हैं।

धान चूहों ने नहीं, भाजपा सरकार ने खा लिया : राकेश ठाकुर

नाचते-गाते चूहे, मंत्रियों की बारात निकाल अधिकारियों को सौंपा गया पिंजरे में चूहा , नारों से गूंजा कलेक्टर कार्यालय

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य में सरकारी गोदामों में रखे करोड़ों रुपये मूल्य के धान के कथित रूप से मुसवा (चूहा) द्वारा नष्ट किए जाने के भाजपा सरकार के दावे ने पूरे प्रदेश को आक्रोशित कर दिया है। किसानों की मेहनत और खून-पसीने की कमाई को लेकर सरकार जिस तरह चूहों को जिम्मेदार ठहरा रही है, वह जनता की आंखों में धूल झोंकने का प्रयास मात्र है।

इसी जनविरोधी और किसान-विरोधी नीति के खिलाफजिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के नेतृत्व में 20 जनवरी 2026, मंगलवार को दुर्ग में एक ऐतिहासिक, प्रतीकात्मक और बेहद रोचक मुसवा (चूहा) प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन राजीव भवन दुर्ग से कलेक्टर कार्यालय दुर्ग तक ढोल-नगाड़ों, नारों और प्रतीकात्मक झांकियों के साथ निकाला गया। इस प्रदर्शन का सबसे आकर्षक केंद्र चूहा झांकी रही, जिसमें मुसवा (चूहे) के रूप में सजे कार्यकर्ता नृत्य करते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। झांकी में चूहे अपने हाथों में धान लिए हुए नजर आए, जो यह दर्शाता रहा कि भाजपा सरकार धान घोटाले की जिम्मेदारी चूहों पर थोप रही है, जबकि सच्चाई कुछ और ही है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस पार्टी द्वारा चार नग चूहे भी प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपे गए। इन चूहों के ऊपर छत्तीसगढ़ सरकार के 14 मंत्रियों के नाम लिखे हुए थे, जिससे यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि धान चूहों ने नहीं, बल्कि भाजपा सरकार के 14 मंत्री ही धान घोटाले के असली जिम्मेदार हैं।

प्रतीकात्मक रूप से चूहों को सौंपते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि सरकार मानती है कि धान चूहों ने खाया है, तो यही चूहे सरकार को सौंपे जा रहे हैं—अब सरकार इनसे जवाब ले। कलेक्टर कार्यालय परिसर में प्रदर्शन को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था, फिर भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जोश, नारेबाजी और किसान आक्रोश साफ दिखाई दिया। नाचते-गाते चूहों और मंत्रियों की प्रतीकात्मक बारात ने आम जनता और मीडिया का विशेष ध्यान आकर्षित किया। जिलाध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण राकेश ठाकुर ने कहा की धान किसानों की मेहनत की कमाई है। 'चूहा खा गया' कहना भाजपा सरकार की नाकामी और भ्रष्टाचार को छुपाने की कोशिश है।

संभागायुक्त राठौर ने मादक पदार्थों की रोकथाम व अतिक्रमण पर सख्त कार्यवाही के दिए निर्देश

स्कूल-कॉलेज परिसरों के आसपास स्वच्छता व्यवस्था मजबूत करने पर दिया जोर

दुर्ग (समय दर्शन)। संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने आज संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक में उच्च शिक्षा विभाग से मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान एवं विभागीय अधिकारियों से ई-ऑफिस संचालन के संबंध में जानकारी ली। संभागायुक्त श्री राठौर ने उच्च शिक्षा विभाग को प्रदेश में मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल एवं कॉलेजों में नशा विरोधी कार्यक्रम, सेमिनार, कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए। साथ ही निबंध, भाषण, पोस्टर, चित्रकला, नाटक एवं क्विज प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाए। संभागायुक्त ने निर्देश देते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के भीतर तंबाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है। स्कूल और कॉलेजों के बाहर ठेलों पर तंबाकू, सिगरेट, गुटखा जैसे नशीले पदार्थों की बिक्री बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कोटपा एक्ट के तहत सख्त कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा।

वार्षिक परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए संभागायुक्त श्री राठौर ने त्रुटिरहित प्रश्नपत्र तैयार करने के निर्देश दिए और प्रश्न निर्माण के दौरान समुचित जांच-पड़ताल पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने अभियान चलाकर अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं के आय, जाति, निवास एवं जन्म प्रमाण पत्र बनाया जाना सुनिश्चित करने कहा। शैक्षणिक संस्थानों के आसपास स्वच्छता को सुदृढ़ रखने के लिए एनएसएस, एनसीसी एवं स्काउट-गाइड के सहयोग पर जोर दिया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भिलाई (छ.ग.)

निविदा सूचना

क्र./ भ.स./ न.नि./ 2026/ 280/ 404 — भिलाई, दिनींक 20.01.2026

आयुक्त नगर पालिक निगम भिलाई की ओर से निम्नांकित कार्य हेतु स्थानीय पंजीकृत ठेकेदार प्रतिष्ठित फर्म से मुहरबंद लिफाफा निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा नगर पालिक निगम भिलाई की वेबसाइट **www.bhilainagarnigam.com** अथवा **www.uad.cg.gov.in** संचालनालय की वेबसाइट से भी देखी जा सकती हे।

क्र.	कार्य का नाम	निविदा लागत	निविदा क्रय करने की अंतिम तिथि	निविदा विभाग में पहुंचने की अंतिम तिथि
1	जोन 01 में नेहरू नगर पूर्व स्थित स्टाफ क्वाटर एफ 01, एबी 03 एवं एबी 04 का संधारण कार्य।	3.85 लाख	02.02.2026	09.02.2026
2	सेवानिवृत्त अधिकारी/ कर्मचारी के विदाई हेतु उपहार सामग्री प्रदाय कार्य।	3.44 लाख	02.02.2026	09.02.2026
3	मुख्य कार्यालय में कुलर संधारण कार्य।	0.99 लाख	02.02.2026	09.02.2026

कार्यपालन अभियंता

कार्यालय कलेक्टर (महिला एवं बाल विकास) जिला - बेमेतरा (छ.ग.)

Gmail ID – dpobemetara@gmail.com — दूरभाष कमांक 07824–296013

// विज्ञापन //

कमांक/ 263 /म.बा.वि./सखी/2025–26 — बेमेतरा, दिनांक 15-01-2026

संचालक, संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग नवा रायपुर अटल नगर का पत्र कमांक 10478/मबावि/मसमि/सखी–4/24–25 नवा रायपुर, दिनांक 27.11.2024 के परिपालन में छ.ग. शासन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पत्र कमांक/4077 के द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर का संचालन नवीन वित्तीय मापदंड एवं मानव संसाधन के प्रावधान के अनुसार किये जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। सखी वन स्टॉप सेंटर का नवीन मार्गदर्शिका 2022 मापदंड अनुसार संचालन किया जाना है।

भारत शासन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर बेमेतरा में दैनिक कार्यो का संचालन व सभी सुसंगत कार्यवाही के लिए सेवाप्रदाता नियुक्त किया जाना है इस हेतु केवल पात्र महिला आवेदको (व्यक्तिगत सेवाप्रदाता) से निम्नानुसार उल्लेखित कार्यो/पदीय कर्तव्यों के निर्वहन के लिए दिनांक 02.02.2026 को सुबह 10.00 बजे से वॉक–इन–इंटरव्यू के माध्यम से नियुक्ति हेतु निर्धारित तिथि में जिला पंचायत सभा कक्ष जिला बेमेतरा में आयेजित किया जायेगा जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

क.	सेवाप्रदाता का पद नाम	सेवा प्रदाताओं की संख्या	मासिक सेवा शुल्क	अधिकतम आयु सीमा	वेतन मैट्रिक्स में लेवल (केवल यात्रा व्यय, भत्ता भुगतान गणना के लिए)
1	पैरा मेडिकल कार्मिक	अनारक्षित–01 पद (महिला)	18420/– प्रतिमाह	45 वर्ष	(लेवल–6)
	योग	01			

उक्त विज्ञापन की सूचना बेमेतरा जिले के वेबसाइट www.bemetara.gov.in में उपलब्ध है ।

जिला कार्यक्रम अधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग
जिला- बेमेतरा

जी-252606099/1

//न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/ 121
वर्ष 2026

एतद द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशिन किया जाता है कि आवेदक निलेश्वर वर्मा पिता स्व. तारण लाल वर्मा निवासी देवादा तहसील -पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे पुत्र सौम्य वर्मा पिता निलेश्वर वर्मा का जन्म दिनांक 30/04/2006 को ग्राम देवादा तहसील पाटन जिला में जन्म होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

निलेश्वर वर्मा पिता स्व. तारण लाल वर्मा निवासी देवादा तहसील-पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 30.01.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 14/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 14.01.2026
सुनवाई दिनांक 30.01.2

मुहर

तहसीलदार
पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

विभिन्न विकास कार्यों हेतु 49.95 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के लिए कुल 49.95 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र विधायक श्री गजेंद्र यादव द्वारा अनुशंसित इन कार्यों का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग-दुर्ग द्वारा किया जाएगा।

जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वीकृत कार्यों में वार्ड क्रमांक 23 दीपक नगर में हनुमान मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य हेतु, सामुदायिक भवन के पास अहाता एवं मंच निर्माण हेतु तथा मंदिर के पास डोमशेड निर्माण प्रत्येक कार्य हेतु 9 लाख 99 हजार रुपए की स्वीकृति दी गई है।

।। न्यायालय तहसीलदार, पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)।।

सिविल प्रकिया संहिता 1908 (आदेश 21—नियम 66)

:::विकय की उदघोषणा/ईश्तहार :::

कमांक/ 141 /प्र.02/तह./2026 — पाटन दिनांक 15/01/2026

छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 147 (ख) एवं सिविल प्रकिया संहिता (आदेश 21–विकय नियम 66) में उल्लेखित नीचे निर्देशित खाता/खातों को **"यश ड्रीम रियल इस्टेट लिमिटेड"** कंपनी के विरुद्ध माननीय न्यायालय के द्वारा कुर्क संपत्ति का व्ययन सिविल प्रकिया संहिता 1908 (कमांक–5 सन् 1908) के आदेश 21 के अंतर्गत उपबंधित अनुसार सूची में अंकित निम्नलिखित ग्रामों में स्थित भूमि का विकय किये जाने हेतु आदेशित किया गया है। माननीय न्यायालय का आदेश का समयावधि में अक्षरशः पालन किये जाने हेतु कार्यालय जिला दण्डाधिकारी एवं सक्षम प्राधिकारी दुर्ग के ज्ञापन कमांक 5980/प्र.कले./2023 दुर्ग दिनांक 25/07/2023 एवं समसंख्यक पत्र कमांक 7961/चिटफंड/2025 दुर्ग दिनांक 03/10/2025 के आधार पर "यश ड्रीम रियल इस्टेट लिमिटेड कंपनी" के संपत्तियों की कुर्की की कार्यवाही कर उपरोक्त कुर्क की गई संपत्ति का व्ययन सिविल प्रकिया संहिता 1908 के आदेश 21 के अंतर्गत उपबंधित नियमों के अनुसार विकय तथा निक्षेपकों को नियमानुसार निक्षेप राशि की वापसी की कार्यवाही पूर्ण करने हेतु तहसीलदार पाटन को प्राधिकृत किया गया है।

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि "यश ड्रीम रियल इस्टेट लिमिटेड" कंपनी के द्वारा माननीय न्यायालय के द्वारा पारित आदेशानुसार यदि कुर्कशुदा सम्पत्ति के बिकी के लिये निर्धारित तारीख/समय के पहले सम्पूर्ण शोध्य रकम की अदायगी तहसीलदार, दुर्ग के पक्ष मे कर दिया जाता है अथवा सक्षम प्राधिकारी के द्वारा "यश ड्रीम रियल इस्टेट लिमिटेड" कंपनी के पक्ष में किसी प्रकार का कोई सक्षम आदेश पारित किया जाता है,तो उपरोक्त स्थिति में दिनांक 30/01/2026 दिन– शुक्रवार को होने वाली निलामी की कार्यवाही निरस्त की जा सकेगी। निलामी में सर्व साधारण या तो स्वयं अथवा उनकी ओर से प्राधिकृत अभिकर्ता के द्वारा बोली लगाने के लिये आमंत्रित किया जाता है, किन्तु उपरिवर्णित या निर्णित लेनदारों द्वारा या उनके निमित्त लगाई गई कोई भी बोली स्वीकार नही की जायेगी और न्यायालय के द्वारा पहले से दी गई अभिव्यक्त अनुज्ञा के बिना उनको किया गया विकय विधिमान्य नहीं होगा।"

यदि इसमें बिकी के लिये निर्धारित तारीख/समय के पहले शोध्य रकम की अदायगी तहसीलदार, पाटन को नही कर दिया जाता है तो उक्त खाता/खातों का विकय स्थान – तहसील कार्यालय पाटन सभा कक्ष में दिनांक 30.01.2026 दिन–शुक्रवार को समय – प्रातः 11:00 बजे से उस/उन पर आरोपित सम्पूर्ण भारो से एवं/उनके संबंध में किये गये समस्त अनुदानों तथा संविदाओं से मुक्त रूप से नीलाम कर दिया जायेगा। नीलाम कि जाने वाली संपत्ति का विवरण निम्नानुसार है :–

संपत्ति का विवरण

गांव	प.ह.न	संपत्ति ब्यौरा	क्षेत्रफल कमशः (वर्गमीटर)	गाइड लाईन अनुसार प्रति वर्गमीटर दर (रूपये में) वर्ष 2025–26 के अनुसार	सरकारी कीमत (ऑफसेट मूल्य)(रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)(ऑफसेट मूल्य 10 प्रतिशत)(रूपये में)
1	2	3	4	5	6	7
अखरा	38/35	ख.न.11/1, 15/1 कुल ख.नं.02	0.3113, 0.4000 (7113 वर्गमीटर)कुल रकबा 0.7113 हे0	7300	2,90,66,000	5982333 अक्षरी उनसठ लाख बैयासी हजार तीन सौ तैतीस रूपये
		DESCRIPTION	NOS/LENGTH/AREA	VALUE OF ONE QTR	AMOUNT	
		incomplete residential Quarter (rcc framed structure)	54.00	535198.00	28900692.00	
		incomplete temple(Rc framed structure)	1.00	91998.00	91998.00	
		Boundry wall	410.00	4304.00	1764640.00	
				Total	59823330.00	

// विकय की शर्तें//

1. निम्नलिखित अनुसूची में विनिर्दिष्ट विशिष्टयां न्यायालय की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार लिखी गई है, किन्तु इस उदघोषणा में किसी गलती, अशुद्ध कथन या लोप के लिये न्यायालय उत्तरदायी नही होगा।
2. वह रकम जितनी से बोलियां बढ़ाई जानी है विकय संचालित करने वाले अधिकारी द्वारा अवधारित की जाएगी। यदि लगाई गई बोली की रकम के बारे में या बोली लगाने वाले के बारे में कोई विवाद पैदा होता है तो वह लाट तुरन्त पुनः नीलाम पर चढ़ाया जाएगा।
3. किसी भी लाट की सबसे उंची बोली लगाने वाला व्यक्ति उस लाट का केता घोषित किया जायेगा, परन्तु यह तब जब कि वह बोली लगाने के लिये वह वैध रूप से अर्हित हो, यह बात न्यायालय के या विकय करने वाले अधिकारी के विवेकाधिकार में होगी कि वह सबसे उंची बोली को स्वीकार करने से उस दशा से इंकार कर दें, जिसमें लगाई गई कीमत स्पष्टतः इतनी अपर्याप्त प्रतीत हो कि ऐसे इंकार करना वांछनीय हो जाता है।
4. विकय संचालित करने वाले अधिकारी के विवेकाधिकार में यह बात होगी कि ऐसे कारणों से, जो अभिलिखित किये जायेंगे वह विकय को सिविल प्रकिया संहिता के आदेश 21 के नियम 69 के उपबन्धों के अधीन रहते हुये स्थगित कर दे।
5. जंगम संपत्ति की दशा में हर एक लाट की कीमत विकय के समय या उसके इतने शीघ्र पश्चात जितना विकय करने वाला अधिकारी निर्दिष्ट करें, दी जायेगी और संदाय में व्यतिकम होने पर सम्पत्ति नई अधिसूचना उपरांत पुनः नीलाम पर चढ़ाई जायेगी और उसका पुनः विकय किया जायेगा।
6. इच्छुक बोलीदार संपत्ति के "बाजार मूल्य" का अग्रिम राशि का 10 प्रतिशत राशि को बैंकर्स चेक या डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से तहसीलदार पाटन के पक्ष में कार्यालयीन खाता कमांक 923020048643573 (सेविग अकॉउट) बैंक का नाम– ऐक्सस बक पाटन ब्राच – पाटन शाखा तहसील पाटन जिला दुर्ग के नाम से दिनाक 27/01/2026, दिन–मंगलवार तक कार्यालयीन समय सुबह 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक (अवकाश दिवस को छोड़कर) पवन ठाकुर तहसीलदार पाटन के कक्ष में उपस्थित होकर जमा कर सकते है। उक्त राशि जमा करने के पश्चात ही नीलामी में बोली लगा सकते है।
7. स्थावर संपत्ति की दशा में, वह व्यक्ति, जो केता घोषित किया गया है उस घोषणा के पश्चात अविलंब अपने कय धन/अधिकतम बोली (मूल्य) की रकम का 25 प्रतिशत विकय संचालित करने वाले अधिकारी (तहसीलदार पाटन) के पास तत्काल चेक के माध्यम से जमा करना होगा और ऐसा निक्षेप करने में व्यतिकम होने पर संपत्ति पुनःनई अधिसूचना जारी कर पुनः नीलामी की कार्यवाही की जावेगी।
8. केता द्वारा कय धन की शेष 75 प्रतिशत को विकय संचालित करने वाले अधिकारी (तहसीलदार पाटन) के पास 15 दिवस के भीतर बैंकर्स चेक/डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से जमा करना होगा। यदि 15 दिवस के भीतर (अवकाश को छोड़कर) उपरोक्त राशि जमा नही की जाती है तो 10 प्रतिशत अमानत राशि राजसात की जा सकेगी।
9. उपरोक्त संपत्ति की सरकारी कीमत से कम की बोली खुली निलामी में नही बोलने दी जावेगी। आखिरी अधिकतम बोली पर संपत्ति की कीमत मानी जायेगी। इसी आखिरी बोली पर तालिका में वर्णित संपत्ति का भूमिस्वामी हक में विकय की कार्यवाही की जावेगी।
10. प्रत्येक पक्षकार की ओर से आवेदक तथा उसके अधिकृत अभिकंर्ता सहित अधिकतम 02 व्यक्ति खुली नीलामी में उपस्थित हो सकेंगे।
11. घोषित केता के द्वारा संपत्ति का पंजीयन संबंधी समस्त शुल्कों का भुगतान स्वयं (केता) के द्वारा किया जावेगा।
12. पंजीयन संबंधी समस्त शुल्क अधिकतम बोली राजस्व पुस्तक परिपत्र 4–1 के कंडिका के अध्यधीन होगी।
13. अधिकमत बोली लगाने वाले पहले व्यक्ति के पक्ष में तब तक पूर्ण नही होगी, जब तक कि संपत्ति की नीलामी हेतु सक्षम प्राधिकारी के द्वारा उसकी पुष्टि न कर ली जाये। प्राधिकृत अधिकारी अपने पास किसी भी उच्चमत बोली या संपूर्ण प्रकिया को रद्द करने/आगे बढ़ाने का अधिकार पूर्णतः सुरक्षित रखता है।
14. अधिकतम बोली लगाने वाले प्रथम एवं द्वितीय उच्चतम बोलीदार को छोड़कर शेष व्यक्तियों द्वारा जमा बैंकर्स चेक/डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से जमा की गई अमानत राशि संबंधित व्यक्तियों को वापस कर दी जावेगी एवं जमा अमानत राशि पर किसी भी प्रकार का कोई ब्याज देय नही होगा।
15. नीलामी स्वीकृत होने के उपरांत विकय पत्र निष्पादन के दौरान पंजीयन शुल्क केता द्वारा वहन किया जावेगा
16. कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी दुर्ग के पत्र कमांक 03/10/2025 के अनुपालन में ग्राम अखरा स्थित भूमि खसरा नंबर 11/1 एवं 15/1 कुल दो खसरा कुल रकबा 0.7113 हे0 पुनः नीलामी की कार्यवाही हेतु वर्तमान प्रचलित गाईडलाईन अनुसार 2,00,000,00/– प्रति हेक्टेयर एवं 7300 रूपये प्रति वर्गमीटर की दर से रकबा 0.7113 हे0 का मूल्यांकन राशि रूपये 2,90,66,000/– (अक्षरी–दो करोड़ नब्बे लाख छैसठ हजार रूपये) एवं उस पर स्थित परिसंपत्ति का मूल्य 3,07,57,330 /– इस तरह वाद भूमि एवं उस पर स्थित परिसंपत्ति का कुल बाजार मूल्य 5,98,23,330/– (अक्षरी– पांच करोड़ अन्ठानाबे लाख तेइस हजार तीन सौ तीस रूपये) होता है जो कि पूर्व के ऑफसेट मूल्य राशि 1,24,57,145/– से अधिक की राशि है। ऐसी स्थिति में शासन के हितों को ध्यान में रखते हुये उच्चतम राशि 5,98,23,330/– (अक्षरी– पांच करोड़ अन्ठानाबे लाख तेइस हजार तीन सौ तीस रूपये) को वर्तमान ऑफसेट मूल्य मान्य किया गया है, को वर्तमान ऑफसेट मूल्य मान्य करते हुए पुनः नीलामी की प्रकिया किया जाना प्रस्तावित है।

यह घोषणा आज दिनांक 15.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी की गई है।

(कलेक्टर महोदय दुर्ग के द्वारा अनुमोदित)

तहसीलदार
पाटन, जिला- दुर्ग

जी-252606127/1

जोगी कांग्रस ने मल्टीस्पेशलिटी नाम वाले निजी अस्पतालों की जांच की मांग, सीएमएचओ को ज्ञापन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जिले में संचालित निजी अस्पतालों द्वारा नियमों के विपरीत अपने नाम के साथ मल्टीस्पेशलिटी और सुपर स्पेशलिटी शब्द जोड़ने के मामले को लेकर अजीत जोगी युवा मोर्चा ने आपत्ति जताई है।

मंगलवार को मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमशुल आलम की उपस्थिति में युवा जिला महासचिव ऋषभ रामटेके ने कार्यकर्ताओं के साथ जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) के नाम ज्ञापन सौंपकर जांच व कार्रवाई की मांग की। शमशुल आलम ने कहा कि जिले और शहर में कई ऐसे निजी अस्पताल संचालित हो रहे हैं, जिन्होंने अपने नाम में मल्टीस्पेशलिटी या सुपर स्पेशलिटी शब्द जोड़ रखा है, जबकि उनके पास इस श्रेणी के अस्पतालों के लिए आवश्यक मापदंड मौजूद नहीं हैं। उन्होंने बताया कि मल्टीस्पेशलिटी अस्पतालों में 24 घंटे विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम, आधुनिक तकनीकी उपकरण और जरूरी सुविधाएं होना अनिवार्य है, लेकिन कई अस्पतालों में ये व्यवस्थाएं नहीं हैं। इसके बावजूद वे मरीजों को गुमराह कर खुद को मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल बता रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अस्पतालों में एक ही डॉक्टर अलग-अलग समय पर विभिन्न बीमारियों का इलाज करता है।

जिला महासचिव ऋषभ रामटेके ने कहा कि जिन अस्पतालों में मल्टीस्पेशलिटी जैसी सुविधाएं नहीं हैं, उन्हें यह दर्जा देने वालों पर भी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने संबंधित दस्तावेजों की प्रतिलिपि उपलब्ध कराने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द जांच कर कार्रवाई नहीं की गई तो जोगी कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर नितिन नबीन को भाजपा कार्यकर्ताओ ने दी एक दुसरे को दी बधाई

जांजगीर चाम्पा (समय दर्शन)। कचहरी चौक जांजगीर मे एकत्र होकर जिला जांजगीर चाम्पा के भाजपा कार्यकर्ताओ ने नगर के कचहरी चौंक मे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के बनने पर बधाई दी फ्टाखे फोड़े एक दुसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी

नबीन का नेतृत्व कार्यकर्ताओं को ऊर्जावान बनाएगा और पार्टी के आदर्शों को ऊँचाई प्रदान करेगा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर नितिन नबीन के सर्वसम्मति से निर्वाचित होने पर भाजपा जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े ने यशस्वी कार्यकाल की कामना कर बधाई दी है श्री जांगड़े ने कहा कि मजबूत संगठन, स्पष्ट नेतृत्व और राष्ट्रसेवा के संकल्प के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष की निर्वाचन प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ की सहभागिता केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संगठनात्मक एकता, अनुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति भारतीय जनता पार्टी की अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एक युवा नेता होने के नाते नबीन का नेतृत्व कार्यकर्ताओं को ऊर्जावान बनाएगा और पार्टी के आदर्शों को ऊँचाई प्रदान करेगा। छत्तीसगढ़ के सह प्रभारी और बाद में प्रभारी के रूप में उनके मार्गदर्शन में पिछले विधानसभा चुनाव से लेकर निकाय-पंचायत चुनावों में पार्टी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन एक ऐतिहासिक दस्तावेज है। श्री नबीन को ऊर्जा से भरपूर चमत्कारिक प्रतिभा का धनी बताते हुए कहा कि एक युवा नेता के तौर पर श्री नबीन भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष पद संभाल रहे हैं और आने वाला समय युवाओं का है। यह सब एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया से हो रहा है, इसलिए यह निश्चित रूप से पार्टी और भाजपा के लिए बहुत फ्ायदेमंद होगा उक्त कार्यक्रम मे संगठन प्रभारी प्रशांत सिंह ठाकुर अमर सुल्तानिया चुन्नीलाल साहु जिला महामंत्री नंदनी रजवाड़े नंद चौधरी जिला उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल आशुतोष गोस्वामी प्रदीप शराफरवि पांडेय विकास शर्मा पुष्पेंद्र प्रताप सिंह अनिल शर्मा नरेंद्र कौशिक राजेश्वर पाटले संतोषी सिंह आकाश सिंह ओमप्रकाश श्रीवास विश्वनाथ प्रताप यादव संतोष थवाईत साकेत तिवारी धनेशवरी जाग्रति दिनेश दास संजीता माली पुष्पेंद्र निर्मलकर नीलम सोनार प्रियंका सिंह परमेश्वर राठौर रमाकांत रजवाड़े दिनेश राठौर सोनु यादव गोलु दुबे रितेश राठौर प्रदीप राठौर गजेंद्र सिंह गज्जू कर्ष छत्रपाल विजय रिया यादव सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-खबर

पोषण भी पढ़ाई भी प्रशिक्षण हुआ प्रारंभ

पाटन (समय दर्शन)। महिला बाल विकास विभाग, परियोजना पाटन में सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ हेतु 19/1/26 से 24/1/25 तक चार बैच में -पोषण भी पढ़ाई प्रशिक्षण आरंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती निशा सोनी उपाध्यक्ष नगर पंचायत पाटन की अध्यक्षता में तथा श्री लालेश्वर साहू अध्यक्ष साहू समाज पाटन, श्रीमती अन्नपूर्णा जी पार्षद नगर पंचायत पाटन के आतिथ्य में हुआ, सरस्वती वंदना के साथ प्रशिक्षण आरंभ किया गया।

उक्त प्रशिक्षण का उद्देश्य 0 माह से 3 वर्ष के शिशुओं में प्रारंभिक उद्दीपन एवं 3 से 6 वर्ष के बच्चों को शाला पूर्व अनौपचारिक शिक्षा प्रदान करना एवं स्वास्थ्य पोषण के साथ खेल खेल मे बेहतर शिक्षा देना है । इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण के द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के क्षमता वर्धन किया जाएगा, जिससे 0 से 6 वर्ष के बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए मजबूत नींव का निर्माण किया जा सके।

इस कार्यक्रम में परियोजना पाटन की परियोजना अधिकारी श्रीमती छाया वर्मा, पर्यवेक्षक नम्रता तिवारी, तिलोत्तमा मोटघरे, ममता साहू, उर्वशी देशलहरे, सुनीता पुसम, समता सिंग, मेघा मोहरिल, झरना दास, कंचन राठी और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने किया जल जीवन संदेश रथ को रवाना

सारंगढ़-बिलाईगढ़, (समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने कलेक्टर कार्यालय परिसर से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, सारंगढ़-बिलाईगढ़ के जल जीवन मिशन अंतर्गत जल जीवन संदेश रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह संदेश रथ जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर आमजन को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल के महत्व के प्रति जागरूक करेगा। साथ ही रथ के माध्यम से गांव- गांव जाकर किट के जरिए पानी की गुणवत्ता की जांच भी की जाएगी, जिससे ग्रामीणों को अपने क्षेत्र के पेयजल की शुद्धता की जानकारी मिल सके।

गुम इंसान केवल सूचना नहीं, परिवार नाम की इकाई के टूटने का संकेत है

बिलासपुर (समय दर्शन)। बालिक युवतियों के गुम इंसान की संख्या केवल कानूनी मसला नहीं बदल रही सामाजिक परिस्थितियों की ओर बड़ा इशारा है। गुम इंसान के मामले जांजगीर चांपा जिले के मूलमूला थाने में अन्य थानों की अपेक्षा कुछ ज्यादा आते हैं। यह बात थाने में पदस्थ टीआई भी मानते हैं। इस थाने के नोटिस बोर्ड पर ही 2025 के 12 महीने में टैग हुए 14 मामले की सूचना है जिसमें से मात्र एक पुरुष और एक महिला की आयु 40 से अधिक शेष पूरे मामले 18 से 20 साल की युवतियों के हैं।

2026 का प्रथम माह है और अभी तक तीन आम सूचना गुम इंसान की टैग हो गई है जो तथ्य सूचना पटल पर लिखा है उसके अनुसार अधिकतर लड़कियों की शिक्षा 12वीं के आसपास है। एक गुम इंसान युवती है ग्रेजुएट थी। देश के सर्वोच्च अदालत युवतियों के गुम होने के मामले को लेकर गंभीर रही है और समय-समय पर स्टेटस रिपोर्ट बुलाती है। 14 इस इश्तिहार को देखकर यह लगता है कि इस क्षेत्र में परिवार नाम की इकाई में कहीं ना कहीं बुनियादी गड़बड़ी आकर ले चुकी है और विषय पर सामाजिक आर्थिक शोध की व्यापक जरूरत है।

निगम क्षेत्र से अयोध्या धाम के लिए 7 श्रद्धालू हुए प्रस्थान

भिलाईनगर (समय दर्शन)। सरकार द्वारा नागरिको को श्री रामलला दर्शन कराने नि:शुल्क सुविधा प्रदान की जा रही है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत विशेष ट्रेन यात्रियों को अयोध्या भगवान राम के दर्शन हेतु भेजा जा रहा है। जिससे नागरिकों को आसानी से भगवान के दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराया जा सके। नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में निगम परिसर से 7 श्रद्धालू श्री रामलला दर्शन हेतु अयोध्या धाम के लिए प्रस्थान किये। श्रद्धालूओं में राकेश मरकाम, कविता, रूखमणी यादव, रामबाई यादव, लुकेश कुमार, गीता देशमुख एवं अलिभा मोहन्ती शामिल है।

जिला पंचायत की सामान्य सभा एवं सामान्य प्रशासन की बैठक संपन्न

जांजगीर-चांपा। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिले के समग्र विकास, पंचायतों की कार्यप्रणाली, निर्माण कार्यों की प्रगति तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में पूर्व बैठक में पारित प्रस्तावों के पालन प्रतिवेदन पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री गगन कुमार जयपुरिया, जिला पंचायत समिति के सभापति एवं सदस्य श्रीमती प्रियंका सिंह क्षत्री, श्रीमती प्रियंका सिंह क्षत्री, श्रीमती संतोषी सिंह रात्रे, श्रीमती प्रीति दिव्य, श्रीमती प्रमिला साहू, श्री महादेव नेताम, श्रीमती उर्मिला यादव, श्रीमती बबीता रात्रे, श्रीमती उमा राजेन्द्र राठौर, श्रीमती मोहन कुमारी साहू, सुश्री आशा साव, श्री लोकेश राठौर सहित सांसद, विधायक प्रतिनिधि, जनपद पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, उप संचालक श्री अभिमन्यु साहू सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि जिले में धान खरीदी के साथ-साथ उठाव एवं परिवहन की व्यवस्था संतोषजनक रही, जिससे उपार्जन केंद्रों में धान का अनावश्यक भंडारण नहीं हुआ और किसानों को समय पर भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ सकी। जिला प्रशासन की सतर्क निगरानी, विभागीय समन्वय और निरंतर समीक्षा के कारण जिले में धान उठाव-परिवहन व्यवस्था बेहतर रूप से संचालित हुई, जिससे किसानों में संतोष और भरोसा बना रहा। बैठक में सदस्यो ने कहा कि अवैध तरीके से धान परिवहन पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। उपार्जन केंद्रों में प्राप्त शिकायतों के आधार पर की गई कार्यवाही की जानकारी दी गई तथा शिकायत मिलने पर नियमित एवं त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। जिले में संचालित बुनकर समितियों को शासन की योजनाओं के तहत मिले लाभों की विस्तृत समीक्षा की गई। हथकरघा विभाग के माध्यम से किन-किन बुनकर समितियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त हुआ है, उसकी योजनावार एवं समितिवार जानकारी दी गई।

बैठक में पंचायत क्षेत्र में संचालित समस्त राइस मिलों की पर्यावरणीय स्वीकृति को लेकर विशेष चर्चा की गई और सभी राइस मिलों की पर्यावरणीय अनुमति पत्र, निर्धारित नियम एवं शर्तों सहित पर्यावरण ऑडिट रिपोर्ट की छायाप्रति अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाए, ताकि पर्यावरणीय मानकों के पालन की गहन समीक्षा की जा सके। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत स्वीकृत समस्त योजनाओं से संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्यों ने चर्चा की। बैठक में निर्देश दिए गए कि सभी जारी निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति रिपोर्ट योजनावार एवं ग्राम पंचायतवार तैयार कर प्रस्तुत की जाए, जिससे प्रत्येक कार्य की वास्तविक प्रगति की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध हो सके। बैठक में मत्स्य पालन हेतु दिए गए तालाब पट्टों की गहन जांच के निर्देश दिए गए। जिले के सभी ऐसे तालाब, जिन्हें समितियों को मत्स्य पालन के लिए पट्टे पर दिया गया है, उनकी विगत 05 वर्षों की ऑडिट रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाए। सदस्यों ने कहा कि मत्स्य पालन पट्टों में पारदर्शिता और नियमों के पालन को सुनिश्चित करना आवश्यक है।

जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी की अध्यक्षता में जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के विकास कार्यों, प्रशासनिक व्यवस्था, विभिन्न विभागों की प्रगति रिपोर्ट एवं आगामी योजनाओं की समीक्षा की गई। अध्यक्ष द्वारा सभी विभागीय अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने, योजनाओं के समय-सीमा में क्रियान्वयन तथा जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

शास महाविद्यालय बसना में युवाओं को मतदान के प्रति किया गया जागरूक

बसना (समय दर्शन)। शासकीय महाविद्यालय बसना में मतदाता जागरूकता एवं विशेष पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया।

इसका मुख्य उद्देश्य नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ना तथा छूटे हुए पात्र महाविद्यालयीन मतदाताओं का पंजीयन कराना तथा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान एवं मतदान प्रक्रिया के प्रति युवाओं को जागरूक करने विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

शिविर के दौरान 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं से फॉर्म-6 के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए आवेदन सबमिट किया गया।

इस अवसर पर बसना अनुविभागीय अधिकारी हरिशंकर पैंकरा ने लोकतंत्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोच्च शक्ति होती है। नागरिक अपने मताधिकार के माध्यम से शासन की दिशा और दशा तय करती हैं, अत: प्रत्येक मतदाता का जागरूक एवं जिम्मेदार होना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि मतदान एक अधिकार के साथ ही प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य भी है। क्षश्रश्र मतदाता अपने अधिकार का सही और विवेकपूर्ण प्रयोग नहीं करेगा, तो लोकतंत्र कमजोर पड़ जाएगा।

स्वीप कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से छात्र-छात्राओं को मतदाता बनने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों, विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान तथा लोकतंत्र में मतदान की भूमिका के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर खिरोद कुमार पुरोहित ने युवाओं से अपील किया कि वे अनिवार्य रूप से अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं और आगामी चुनावों में सक्रिय सहभागिता निभाकर लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें।

गौ सेवा संकल्प के साथ बच्चों ने दी गौ विज्ञान परीक्षा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। भारतीय संस्कृति में गौ एवं मानव जीवन में उसके महत्व को ध्यान में रखते हुए गौ पालन और गौ संवर्धन के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति द्वारा प्रदेशभर में गौ विज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया। इसी क्रम में राजनांदगांव जिले में भी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने परीक्षा में सहभागिता की। जिले में कुल 262 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में करीब 6200 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनमें राजनांदगांव विकासखंड से 2191, डोंगरगढ़ से 1216, डोंगरगांव से 1309 तथा छुरिया से 1484 विद्यार्थियों ने पंजीयन कर परीक्षा दी। परीक्षा में विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर के विद्यार्थी शामिल हुए।

परीक्षा का सफल आयोजन जिला नोडल संतोष कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। वहीं विकासखंड स्तर पर राजनांदगांव से मिथलेश वर्मा, डोंगरगढ़ से संपत वर्मा, डोंगरगांव से ईश्वर जोशी और छुरिया से लक्ष्मण साहू नोडल के रूप में व्यवस्था संभालते रहे।

भक्त गुहा निषाद राज ने समाज को एकजुटता में बांधे रखा-आशीष वर्मा

पाटन (समय दर्शन)। निषाद समाज कौही पाली एवं स्थानीय समाज के तत्वाधान में भक्त गुहा निषाद राज जयंती समारोह एवं आमसभा आयोजित किया गया।जिसका शुभारंभ एवं दीप प्रज्वलित मुख्य अतिथि नारायण निषाद(अध्यक्ष निषाद समाज कोही किकिरमेटा परि.),अध्यक्षता डा.बुधराम विनायक(अध्यक्ष निषाद समाज कौही पाली) विशेष अतिथि बिसौहा राम निषाद(पूर्व अध्यक्ष निषाद समाज कौही पाली),खोरबाहरा राम निषाद (संरक्षक कौही पाली),केजु राम निषाद(अध्यक्ष दुर्ग जिला मछुआ सोसायटी विकास परिषद)एवं सामाजिक पदाधिकारियों ने सुबह दीप प्रज्वलित,कलश यात्रा एवं सत्यनारायण पूजा पश्चात सामाजिक परिचर्चा किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि भूपेश बघेल पूर्व मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि आशीष वर्मा थे, अध्यक्षता देवकुमार निषाद(अध्यक्ष निषाद समाज तहसील पाटन)ने किया,विशेष अतिथि अशोक साहू(पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष), राजेश ठाकुर, अध्यक्ष, ब्लाक कांग्रेस जामगांव (आर),भेदप्रकाश वर्मा जनपद प्रतिनिधि,हेमू सोनकर उपसरपंच,डा ईश्वर निषाद सरपंच केसरा ने सियाराम,भक्त गुहा निषाद राज की पूजा अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख,समृद्धि,खुशहाली की मंगलकामना किए।

मुख्य अतिथि पूर्व ओएसडी आशीष वर्मा ने समाज को सर्वोपरि बतलाते हुए युवा पीढ़ी को संदेश दिया कि हम सबको सामाजिक रीति रिवाज को शिरोधार्य कर शिक्षा,संस्कार के साथ जीवन निर्वहन करना चाहिए।पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को सियारामचंद्र,भक्त गुहा निषाद राज एवं छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा के साथ निषाद समाज को राजनीति की शिखर पर उचित स्थान विधायक कुंवर सिंह निषाद को टिकट देने के साथ सम्मान दिए,जो समाज के लिए गौरव की बात है। तहसील अध्यक्ष देवकुमार निषाद ने समाज हित की प्रबलता के साथ अनेक विषयों पर चर्चा की। विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू ने समाज एक गंगा है जहां पर सब पाप धूल जाते है। इस अवसर पर अनुराधा बिनायक,दशोदा निषाद,डोमन विनायक,नरोत्तम निषाद,बेनीराम विनायक,सांवत,मनीराम, दुकालूराम निषाद,भोजराम,सुखदेव निषाद,सरोज भीषम निषाद,लता संतराम निषाद,रीना राकेश निषाद,भविष्य जैन,केदार वर्मा,लक्ष्मीनारायण गंजीर,अशोक साहू,भोज रघुवंशी,लोकेश साहू,चैन निषाद,जगत निषाद, बिरझा निषाद,हितेश्वरी निषाद,भीषम निषाद,दुर्गेश निषाद,भागवत,करण, परमेश्वर निषाद सहित कौही पाली के सभी ग्राम के सामाजिक बंधु एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

ग्राम झझपुरी मे अज्ञात व्यक्ति के द्वारा जैतस्तंभ को जलाने वाले आरोपी की गिरफ्तार कर खुलासा

मुंगेली(समय दर्शन)। थाना लोरमी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम झझपुरी मे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाते हुये जैतस्तंभ को जलाने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया जेल आरोपी राजेश साहू निवासी झझपुरी से आगजनी मे उपयोग किये गये मिट्टी तेल, माचिस एवं चेहरा छुपाने के लिये उपयोग किये गये कपड़ो को जप्त किया गया।आरोपी राजेश साहू के विरूद्ध थाना लोरमी मे अपराध क्रमांक 18/26 धारा 298,326 (जी) बीएनएस के तहत किया गया कार्यवाही लोरमी दिनांक 16-17.01.2026 के दरमियानी रात्रि ग्राम झझपुरी मे ठाकुर देव चौक स्थित जैतखाम को किसी अज्ञात व्यक्ति ने जला दिया था जिस पर सूचनाकर्ता अंगद अंचल पिता देवल अंचल उम्र 37 साल सा. झझपुरी कला थाना लोरमी जिला मुंगेली की रिपोर्ट पर थाना लोरमी में अपराध क्रमांक 18/26 धारा 298, 326 (जी) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुये मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) के द्वारा प्रकरण की अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी हेतु अति.पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर छाबड़ा, उप पुलिस अधीक्षक नवनीत पाटिल, उप पुलिस अधीक्षक हरविन्दर सिंह के मागदर्शन मे पुलिस टीम को अलग - अलग कार्यो का दायित्व सौपकर अग्रिम कार्यवाही हेतु रवाना किया गया। प्रकरण मे पुलिस विवेचना के दौरान तत्काल मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का बारिकी निरीक्षण किया गया, मौके पर फोरेन्सिक टीम के द्वारा भी घटना का जांच किया गया और आसपास के लोगों का तथ्यात्मक विस्तृत कथन लेख किया गया एवं सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन करते हुये घटना स्थल के पास मेडिकल दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरा में रिकार्ड हुए दृश्य के विश्लेषण तथा पहचान पर आसपास के ग्रामीणों के द्वारा जो व्यक्ति जैकेट पहनकर घटना के बाद वहां पर आया था और वहां से छुपते छुपाते निकल गया था, जिसके डिलडौल, कपड़े के पहनावट, चलने के तरीके से साक्षियों ने उसकी पहचान राजेश साहू पिता दाउलाल साहू निवासी झझपुरी के रूप मे किये, पहचान उपरांत संदेही राजेश कुमार साहू को तलब कर पूछताछ पर ग्राम झझपुरी मे जयंती कार्यक्रम के दौरान सतनामी समाज के कुछ लोगो के द्वारा आरोपी राजेश कुमार साहू को शराब के नशे मे आये हो कहकर मारपीट करने से क्षुब्द्ध होकर जैतखाम को जलाना स्वीकार किया गया। राजेश के द्वारा ग्राम झझपुरी घर के अंदर एवं बाड़ी से घटना के समय पहने हुये कपड़ो एवं घटना में प्रयुक्त मिट्टी तेल (केरोसिन), माचिस को पेश करने पर गवाहों के समक्ष जप्त कर आरोपी राजेश कुमार साहू पिता स्व. दाउलाल साहू उम्र 35 साल सा. झझपुरी कला थाना लोरमी के द्वारा आमजनों के धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाते हुये जैतस्तंभ को जलाना पाये जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26